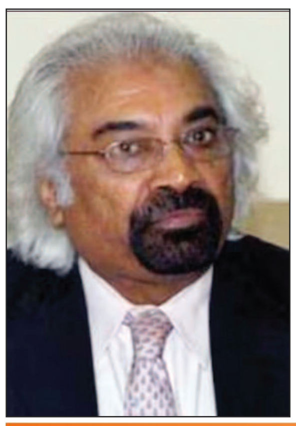

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

राहुल गांधी के विदेश दौरों पर भारतीय दूतावास के..... पेज: 7

'मिजापुर: द फिल्म' की शूटिंग जोरों पर, अली पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 258 | शनिवार 27 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

लंबी माथापच्ची के बाद बीएमसी सीट बंटवारे पर लगी मुहर

मुंबई एजेंसी: कई दिनों की विचार-विमर्श के बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए सीट बंटवारे का समझौता कर लिया है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि महायुति गठबंधन द्वारा तय किए गए फामूर्ले के अनुसार, भाजपा 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शिंदे की सेना 87 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बीएमसी के लिए मतदान 15 जनवरी को राज्य के अन्य सभी नगर निगमों के साथ होगा। वोटों की गिनती 16 जनवरी को होगी। यह घटनाक्रम गठबंधन के दोनों सहयोगी दलों के बीच असंतोष की खबरों के बीच हुई मैराथन बैठकों के कुछ दिनों बाद सामने आया है। हालांकि, भाजपा और शिंदे सेना ने इन खबरों को खारिज करते हुए सूत्रों के हवाले से कहा है कि उन्होंने 200 सीटों के लिए सीट बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है

सरकार के सुधारों से बढ़ा भरोसा, रोजमर्रा की जिंदगी हो रही आसान: पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसी: सरकार जीवनयापन को सरल बनाने और सुधारों की राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यह बात कही और स्पष्ट किया कि आने वाले समय में सुधारों को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। सरकार ने लाखों लोगों को सशक्त बनाने की दिशा में लगातार किया है काम मायगवइंडिया के एक्स हैंडल पर साझा किए गए एक थ्रेड का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने लाखों लोगों को सशक्त बनाने की दिशा में लगातार काम किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी सरकार जीवन की सुगमता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी सरकार जीवन की सुगमता को बढ़ावा देने

के लिए प्रतिबद्ध है और नीचे दिया गया थ्रेड इस बात का उदाहरण है कि हम इस दिशा में कैसे काम कर रहे हैं। आने वाले समय में हमारा सुधार अभियान और अधिक उत्साह के साथ आगे बढ़ेगा। सुधारों का फोकस जटिलता के बजाय परिणामों पर मायगवइंडिया हैंडल ने पोस्ट में कहा कि सुधारों की असली परीक्षा यह है कि क्या उनसे लोगों का तनाव कम हुआ है। पोस्ट में कहा गया, 2025 में शासन व्यवस्था में एक स्पष्ट बदलाव देखने को मिला, जहां सुधारों का फोकस जटिलता के बजाय परिणामों पर रहा। सरल कर कानून, तेज विवाद समाधान, आधुनिक श्रम संहिताएं और अपराधमुक्त अनुपालन ने नागरिकों और व्यवसायों- दोनों के लिए मुश्किलें कम की हैं। 12 लाख रुपए तक की आय पर अब कोई टैक्स नहीं पोस्ट में आगे कहा गया कि विश्वास, पूवार्नुमान और दीर्घकालिक विकास पर जोर दिया गया है, जो यह दशार्ता है कि सही नीतियां किस तरह चुपचाप रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बना सकती

नए भारत के लिए एक नया टैक्स कानून...............

पोस्ट में कहा गया, नए भारत के लिए एक नया टैक्स कानून। 1961 के आयकर अधिनियम की जगह आयकर अधिनियम, 2025 ने अनुपालन को सरल बनाया है और प्रत्यक्ष कर प्रणाली में स्पष्टता, पारदर्शिता और निष्पक्षता लाई है

हैं। लाखों भारतीयों के लिए कर राहत अब वास्तविकता बन चुकी है। 12 लाख रुपए तक की आय पर अब कोई टैक्स नहीं देना होता, जिससे मध्यवर्गीय परिवार अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा बचा सकते हैं। इससे उन्हें अधिक आत्मविश्वास के साथ खर्च करने, बचत करने और निवेश करने का अवसर मिल रहा है। नए भारत के लिए एक नया टैक्स कानून पोस्ट में कहा गया, नए भारत के लिए एक नया टैक्स कानून। 1961 के आयकर अधिनियम की जगह आयकर अधिनियम, 2025 ने अनुपालन को सरल बनाया है और प्रत्यक्ष कर प्रणाली में स्पष्टता, पारदर्शिता और निष्पक्षता लाई है, जिससे यह करदाताओं के लिए अधिक अनुकूल और वर्तमान जरूरतों के अनुरूप बन गया है। छोटे व्यवसायों के लिए सुधारों का सीधा लाभ छोटे व्यवसायों के लिए भी सुधारों का सीधा लाभ सामने आया है। निवेश और कारोबार की ऊंची सीमाओं के चलते एमएसएमई अब लाभ खोने के डर के बिना आगे बढ़ सकते हैं और लोन व टैक्स छूट का फायदा उठाकर अपने कारोबार का विस्तार कर सकते हैं। इससे स्थानीय व्यवसाय मजबूत हो रहे हैं और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। श्रम कानूनों को सरल बनाकर चार स्पष्ट श्रम संहिताओं में किया गया समाहित इसके अलावा, 29 श्रम कानूनों को सरल बनाकर चार स्पष्ट श्रम संहिताओं में समाहित किया गया है, जिनमें वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य शर्तें शामिल हैं। पोस्ट के अनुसार, इससे अधिकार अधिक स्पष्ट हुए हैं, अनुपालन आसान हुआ है

सरकार बेबस या इरादे की कमी? अरावली पहाड़ियों के विवाद पर सचिन पालयट ने साधा निशाना

नई दिल्ली एजेंसी: अरावली पहाड़ियों को लेकर चल रहे विवाद के बीच, कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने शुक्रवार को सरकार पर पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील पहाड़ियों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि निष्क्रियता से अपरिवर्तनीय पर्यावरणीय क्षति हो सकती है। जयपुर में पत्रकारों से बात करते हुए सचिन पायलट ने कहाकि आज पूरे भारत में लोग इस पर चर्चा कर रहे हैं और इस बात को लेकर बेहद चिंतित हैं कि कौन जानबूझकर उस पर्वत श्रृंखला को खतरे में डाल रहा है जो अनादिकाल से लाखों लोगों के लिए सुरक्षा कवच का काम करती रही है। हाल ही में, अदालत ने सरकार की परिभाषा को स्वीकार कर लिया है... अरावली क्षेत्र का

90% से अधिक हिस्सा इस परिभाषा के दायरे से बाहर हो जाएगा और असुरक्षित हो जाएगा। सरकार अपनी नाक के नीचे हो रहे अवैध खनन को रोकने के लिए क्या कर रही है? उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि सरकार बेबस है, या फिर उनके इरादे में कोई कमी है... अब तक सरकार ने परिभाषा को फिर से परिभाषित करके इस मुद्दे को सुलझाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख नहीं किया है... यह दो इंजनों वाली सरकार नहीं बल्कि चार इंजनों वाली सरकार है, और ये चारों इंजन अरावली पर्वत श्रृंखला को नष्ट करने का तरीका खोजने में लगे हैं। इससे पहले, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने हरियाणा, राजस्थान और गुजरात सरकार के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सर्वोच्च न्यायालय के 20 नवंबर, 2025 के फैसले के अनुपालन में अरावली पहाड़ियों में नए खनन पट्टों के अनुदान पर प्रतिबंध लगाने और चल रही खनन गतिविधियों के सख्त विनियमन के संबंध में निर्देश दिए। यह फैसला रिट याचिका (सिविल) संख्या 202/1995 (टीएन गोदावर्मन थिरुमुलपाद बनाम भारत संघ) के मामले में दिया गया था। मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में निर्देश दिया है कि संपूर्ण अरावली पहाड़ी श्रृंखला के लिए सतत खनन प्रबंधन योजना (एमपीएसएम) को अंतिम रूप दिए जाने तक कोई भी नया खनन पट्टा जारी नहीं किया जाएगा।

धीरेन्द्र शास्त्री का चेतावनी: खतरे में बांग्लादेश में हिंदुओं की पहचान, तुरंत एक्शन ले भारत

नई दिल्ली एजेंसी: बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की खबरों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए, बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री ने केंद्र सरकार से पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने का आग्रह किया। शास्त्री ने जोर देकर कहा कि अगर सरकार इस मामले में कार्रवाई नहीं करती है, तो बांग्लादेश में हिंदुओं की पहचान खतरे में पड़ जाएगी। शास्त्री की ये टिप्पणी बांग्लादेश में जारी हिंसा में अमृत मंडल और दीपू चंद्र दास की हालिया हत्याओं के संदर्भ में आई है। शास्त्री ने एएनआई से कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत सरकार के लिए बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाना आवश्यक हो गया है। अगर कोई कदम नहीं

उठाया गया, तो हिंदुओं की पहचान खतरे में पड़ जाएगी। इसके अलावा, शास्त्री ने यह भी कहा कि अगर बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं, तो उन्हें भारत में रहने की जगह दी जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अगर हम अभी उनकी मदद नहीं करते हैं, तो हिंदू एकता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा की जानी चाहिए। यहां रहने वाले बांग्लादेशियों के स्थान पर बांग्लादेशी हिंदुओं को भारत में जगह दी जानी चाहिए। इससे पहले बुधवार को, डेली स्टार ने खबर दी कि राजबारी के पांगशा उप-जिले के कालीमोहोर संघ के होसेनडांगा गांव में अमृत मंडल नामक एक हिंदू युवक की जबरन वसूली के आरोप में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस को कल रात सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंची और सम्राट को गंभीर हालत में बचाया। मंडल की हत्या बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या और जलाए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है। कपड़ा कारखाने में काम करने वाले दीपू चंद्र दास को कथित ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला और 18 दिसंबर को उनके शव को लटकाकर आग लगा दी। द डेली स्टार ने मयमनसिंह के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अब्दुल्ला अल मामून के हवाले से बताया कि कारखाने के एक अधिकारी ने भालुका पुलिस को सूचित किया कि श्रमिकों के एक समूह ने दीपू पर कारखाने के अंदर हमला किया और उन पर फेसबुक पोस्ट में पैगंबर मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया।

इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते...भारत ने बांग्लादेश को गिनाई अल्पसंख्यकों पर 2900 जुल्मों की लिस्ट

नई दिल्ली एजेंसी: विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की निंदा की और चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्धों के खिलाफ जारी "लगातार शत्रुता" पर गहरी चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम मयमनसिंह में एक हिंदू युवक की हाल ही में हुई जघन्य हत्या की कड़ी निंदा करते हैं और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्धों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी शत्रुता गंभीर चिंता का विषय है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ जानलेवा हिंसा का दौर जारी है। राजबारी जिले के हुसैनडांगा में आरोपियों ने हिंदू युवक अमृत मंडल (29) की पीट-पीट कर हत्या कर दी। सूत्रों के अनुसार बुधवार देर रात

अपने एक साथी के साथ बाइक से जा रहे से जा रहे अमृत को ग्रामीणों ने घात लगाकर पकड़ लिया। दोनों के साथ ग्रामीणों ने जमकर मारपीट की। अमृत की गुरुवार तड़के इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि उसका साथी सलीम शेख गंभीर रूप से घायल है। ग्रामीणों का आरोप है कि अमृत और सलीम गांव के शहीदुल से वसूली के लिए आए थे। हल्ला मचने के बाद दोनों बाइक के भागने की कोशिश में थे। बता दें कि एक हफ्ते में बांग्लादेश में हिंदू युवक की पीट-पीट कर हत्या की ये दूसरी वारदात है। 19 दिसंबर को मेमनसिंह में दंगाइयों की भीड़ ने ईश निंदा का आरोप लगाकर हिंदू दलित युवक दीपूचंद्र दास की पीट-पीट कर हत्या कर शव को पेड़ पर लटका कर जला दिया था।

भारत के माहौल को जानबूझकर दूषित किया जा रहा है: क्रिसमस घटनाओं पर अभिषेक बनर्जी का केंद्र पर सीधा हमला

नई दिल्ली एजेंसी: अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को क्रिसमस पर ईसाइयों पर हुए लक्षित हमलों के बाद दक्षिणपंथी उग्रवाद में वृद्धि के लिए केंद्र सरकार को घेरा। एक्स पर एक पोस्ट में, अभिषेक बनर्जी ने 2002 के एक वीडियो को साझा किया, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तत्कालीन गुजरात मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को सलाह देते हुए दिख रहे हैं कि जनता का प्रतिनिधि लोगों के बीच भेदभाव नहीं कर सकता। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस गुजरात दंगों के बाद आयोजित की गई थी। बनर्जी ने दलितों, अनुसूचित जनजातियों और अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमलों का मुद्दा उठाया और केंद्र पर भारत के माहौल को जानबूझकर दूषित करने का आरोप लगाया। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भारत के माहौल को जानबूझकर दूषित किया जा रहा है। सत्ता से उत्साहित दक्षिणपंथी ताकतें धर्म की आड़ में दलितों, अनुसूचित जनजातियों और अल्पसंख्यकों पर खुलेआम हमला कर रही हैं - भय, लिंचिंग, धमकियों और नफरत के जरिए। उन्होंने आगे कहा कि जब सत्ता में बैठे लोग ही हिंसा के अपराधी हों और हिंसा के संरक्षकों को पुरस्कृत करें, तो दंडमुक्ति नीति बन जाती है। यह शासन नहीं, नैतिक पतन है। बनर्जी ने यह भी कहा कि ये हमले असंवैधानिक, अवैध हैं और देश की धर्मनिरपेक्ष नींव को चटका देते हैं। उन्होंने कहा कि ये हमले असंवैधानिक, अवैध हैं और भारत की नींव झ हमारी विविधता में एकता झ को चकनाचूर कर देते हैं। आज चुप्पी साधना मिलीभगत है।

मोहन भागवत बोले: भारत को सिर्फ महाशक्ति नहीं, 'विश्व गुरु' बनने का समय आया

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने शुक्रवार को तिरुपति स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में भारतीय विज्ञान सम्मेलन (बीवीएस) के उद्घाटन सत्र में भाग लिया और भारत के लिए अंधविश्वासों से उबरने, क्षेत्रीय भाषाओं में ज्ञान को बढ़ावा देने और विकास में संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम में बोलते हुए भगवत ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लोग पुराने अंधविश्वासों से बाहर निकलें, और यह बात उन लोगों पर भी लागू होती है जो नए अंधविश्वासों में फंसे हुए हैं। हमारे प्राचीन मंदिरों की वास्तुकला ऐसी है कि वे अनेक आपदाओं से बचे रहे। हम पिछले दस हजार वर्षों से पारंपरिक तरीकों से खेती करते आ रहे हैं और मिट्टी आज भी वैसी ही

बनी हुई है। आरएसएस प्रमुख ने जोर देकर कहा कि भारत को न केवल महाशक्ति बनना है, बल्कि विश्व गुरु भी बनना है। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन अब, उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता के कारण, पंजाब से जयपुर तक 'कैंसर ट्रेन' चल रही है। भारत का विकास होना तय है क्योंकि यह समय की मांग है। लेकिन भारत को न केवल महाशक्ति बनना है, बल्कि विश्व गुरु भी बनना है। शिक्षा और वैज्ञानिक जागरूकता के महत्व पर बोलते हुए भागवत ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ज्ञान सभी तक पहुंचे। अपनी मातृभाषा में सीखना बहुत प्रभावशाली होता है। विज्ञान का ज्ञान भारत की विभिन्न भाषाओं में आम आदमी तक पहुंचाया जाना चाहिए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की विकास संबंधी प्रशंसा करते हुए भागवत ने यह भी कहा, "मुख्यमंत्री (एन चंद्रबाबू नायडू) ने जो कहा है वह महत्वपूर्ण है, विकास ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे समाज में दो अलग-अलग वर्ग बन जाएं।"

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की लिंचिंग जारी, भारत-विरोधी सोच को मिल रहा बढ़ावा

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश धीरे-धीरे भारत-विरोधी भावनाओं का केंद्र बनता जा रहा है और इस स्थिति से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। एएनआई से बात करते हुए, कांग्रेस सांसद ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हुए हमलों की निंदा करते हुए कहा कि धर्म के नाम पर लोगों को निशाना बनाना और उन पर अत्याचार करना बेहद गलत है। मसूद ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति निश्चित रूप से चिंताजनक है। बांग्लादेश भारत-विरोधी भावनाओं का केंद्र बनता जा रहा है। हमें प्रभावी कदम उठाने चाहिए... बांग्लादेश में लोगों को धर्म के नाम पर निशाना बनाया जा रहा है और उन पर अत्याचार किया जा रहा है, जो बहुत बुरा है। इससे पहले, विदेश मामलों के पूर्व राज्य मंत्री एमजे अकबर ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उस पर देश में अल्पसंख्यकों पर हो रही लगातार लिंचिंग और हमलों के बीच चरमपंथी ताकतों को खुश करके हिंदुओं के प्रति नफरत को एक विचारधारा के रूप में बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की हाल ही में हुई लिंचिंग की घटनाओं पर एएनआई

से बात करते हुए अकबर ने कहा कि बांग्लादेश "तुष्टीकरण के एक गंभीर संकट" का सामना कर रहा है, जहां सत्ता में मौजूद सबसे चरमपंथी ताकतों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली मौजूदा अंतरिम सरकार की व्यापक शासन विफलता पर प्रकाश डाला और आरोप लगाया कि सत्ता प्रतिष्ठान अपनी राजनीतिक अस्तित्व को बनाए रखने के लिए इन तत्वों को पनाह दे रहा है, जिसके चलते ऐसे अपराधों को बढ़ावा मिल रहा है। पूर्व राज्य मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने बांग्लादेश को भारत-विरोधी भावनाओं का केंद्र बताते हुए अल्पसंख्यक हिंदुओं पर बढ़ते हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने धार्मिक उत्पीड़न की निंदा करते हुए

तुष्टीकरण के एक गंभीर संकट से गुजर रहा है। देश की सबसे क्रूर ताकतों को तुष्टीकरण दिया जा रहा है। ऐसे लोग जो हिंदुओं से नफरत को एक विचारधारा मानते हैं। वे यह नहीं समझते कि नफरत कोई विचारधारा नहीं है। लेकिन उनके अपराध को इस तथ्य से बढ़ावा मिल रहा है कि वहां का सत्ता प्रतिष्ठान इसे पनपने दे रहा है। देश के सामने आने वाली सबसे बड़ी समस्याओं में से एक यह है कि मौजूदा अंतरिम सरकार में शासन की बिल्कुल भी समझ नहीं है। ये बयान बांग्लादेश से दो हिंदू युवकों की लिंचिंग की घटनाओं के सामने आने के बाद आए हैं। बुधवार को डेली स्टार ने खबर दी कि राजबारी के पांगशा उप-जिले के कालीमोहोर संघ के होसेनडांगा गांव में अमृत मंडल नामक एक हिंदू युवक की जबरन वसूली के आरोप में भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस को कल रात सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंची और सम्राट को गंभीर हालत में बचाया। मंडल की हत्या बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या और शव जलाने की घटना के कुछ दिनों बाद हुई है। 18 दिसंबर को एक कपड़ा कारखाने में काम करने वाले दीपू चंद्र दास को कथित ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला और उसके शव को फांसी पर लटकाकर आग लगा दी। डेली स्टार ने मयमनसिंह के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अब्दुल्ला अल मामून के हवाले से बताया कि कारखाने के एक अधिकारी ने भालुका पुलिस को सूचित किया था

संपादकीय

बीमा कंपनियां क्यों निवेश बढ़ाएंगी?

भारत में 2.8 प्रतिशत लोगों के पास जीवन बीमा और एक फीसदी लोगों के पास सामान्य बीमा पॉलिसी है। प्राइवेट स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी धारकों की संख्या पांच प्रतिशत से कम है। बाकी लोग पॉलिसी का बोझ उठाने में सक्षम नहीं है। बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर केंद्र ने हाल में अनेक ऐसे फैसले लिए हैं, जिनके जरिए संदेश भेजने की कोशिश हुई है कि नरेंद्र मोदी सरकार तीव्र गति से अगले चरण के आर्थिक सुधारों को लागू कर रही है। इस दिशा में जीएसटी दरों में हेरफेर और चार श्रम संहिताओं पर अमल के बाद अब बीमा क्षेत्र में उदारीकरण का बड़ा फैसला लिया गया है। कैबिनेट ने नए बीमा विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत इस क्षेत्र को 100 फीसदी विदेशी निवेश के लिए खोला जाएगा। साथ ही इस क्षेत्र में निवेश संबंधी अनेक प्रमुख शर्तों को आसान करने का निर्णय लिया गया है। आशा की गई है कि इससे बड़े पैमाने पर बाहरी निवेश आएगा, जिससे कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में लगातार हालिया गिरावट से उपजी समस्या से राहत मिलेगी। लेकिन क्या सचमुच ऐसा होगा? अगर पिछले अनुभव पर ध्यान दें, तो इसकी संभावना कम लगती है। 2021 में केंद्र ने बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा बढ़ा कर 49 से 74 फीसदी की थी। मगर उससे फैसले से विदेशी बीमा कंपनियां भारत की ओर आकर्षित नहीं हुईं। ना ही भारतीय कंपनियों के साथ साझा उद्यम में उनके निवेश में कोई ठोस बढ़ोतरी हुई। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक जब से बीमा क्षेत्र को विदेशी निवेश के लिए खोला गया, लगभग 82 हजार करोड़ रुपये का बाहरी निवेश आया है। लेकिन यह अधिकांशतः भारतीय कंपनियों के साथ साझा उद्यम में आया। मुमकिन है, ताजा फैसले से वैसे निवेश में कुछ बढ़ोतरी हो। मगर भारतीय बीमा बाजार के मूल ढांचे में किसी गुणात्मक परिवर्तन की संभावना कम ही है। इसका कारण इस बाजार का सीमित आकार है। भारत में 2.8 प्रतिशत लोगों को जीवन बीमा सुरक्षा हासिल है। सामान्य बीमा की पैठ तो महज एक फीसदी आबादी तक है। प्राइवेट स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी धारकों की संख्या भी पांच प्रतिशत से कम ही है। बाकी लोगों की जेब किसी तरह की बीमा पॉलिसी का बोझ उठाने में सक्षम नहीं है। जब तक यह सूरत नहीं बदलती, बीमा कंपनियां क्यों निवेश बढ़ाएंगी? यह स्थिति कैसे बदले, इसकी कोई दृष्टि सरकार ने सामने नहीं रखी है।

चिंतन-मनन

ईश्वर के दर्शन

सरस्वती चंद्र तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। लंबे और कठिन सफर को देखते हुए साथ में बर्तन, भोजन और जरूरत का अन्य सामान भी था। रास्ते में एक गांव पार करते हुए वह वहां के एक वीरान मंदिर में रुक गए। पहले तो सोचा कि यहां कोई नहीं होगा पर मंदिर के अंदर गए तो देखा एक बीमार वृद्ध कराह रहे हैं। उनकी हालत देख लगता था कि उन्होंने काफी दिनों से कुछ खाया न हो। सरस्वती चंद्र को उन पर दया आ गई। उन्होंने कुछ समय वहीं रुककर उनकी सेवा करने का फैसला किया। उन्होंने अपने कपड़े उस वृद्ध सज्जन को पहना दिए। अपने सारे बर्तन मंदिर के उपयोग के लिए रख दिए। अपना भोजन भी उन्हें खिला दिया। फिर आसपास से फल और कुछ औषधियां ले आए।

खाली समय में सरस्वती चंद्र मंदिर की सफाई में लगे रहते। इस तरह मंदिर का कायाकल्प हो गया। इधर वृद्ध सज्जन धीरे-धीरे स्वस्थ होने लगे। कुछ दिनों के बाद सरस्वती चंद्र बिना तीर्थधाम गए ही घर वापस आ गए। घर वालों ने इस तरह आने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि रास्ते में ही उन्हें ईश्वर के दर्शन हो गए। इसलिए आगे जाने की उन्होंने कोई आवश्यकता ही नहीं समझी और लौट आए। इधर मंदिर के पुनरोद्धार हो जाने से लोग वहां फिर से आने-जाने लगे। इस तरह सूने पड़े मंदिर में रौनक लौट आई। वहां वह वृद्ध सज्जन हर किसी को यह बताते थे कि एक दिन यहां ईश्वर आए थे। उन्होंने ही इस मंदिर को तीर्थ बनाया और मुझे जीवन-दान दिया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक गुरु गोबिंद सिंह

योगेश कुमार गोयल

सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व इस वर्ष 27 दिसंबर को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत को पटना साहिब में हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है। गुरु गोबिंद सिंह जी को बचपन में गोबिंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पटना में रहते हुए गुरू जी तीर-कमान चलाना, बनावटी युद्ध करना इत्यादि खेल खेला करते थे, जिस कारण बच्चे उन्हें अपना सरदार मानने लगे थे। पटना में वे केवल 6 वर्ष की आयु तक ही रहे और सन् 1673 में सपरिवार आनंदपुर साहिब आ गए। यहीं पर उन्होंने पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महारत हासिल की। कश्मीरी पंडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहादत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु में ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरू पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापक बने।

शौर्य, साहस, त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह जी को इतिहास में एक विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व का दर्जा प्राप्त है। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति को न किसी से डरना चाहिए और न ही दूसरों को डराना चाहिए। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की। एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा, कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। दरअसल कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उनके दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें 'संत सिपाही' भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी।

'बिचित्र नाटक' को गुरु गोबिंद सिंह की आत्मकथा माना जाता है, जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत है। यह 'दशम ग्रंथ' का एक भाग है, जो गुरु गोबिंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरू जी ने हिमाचल के पोंटा साहिब में की थी। कहा जाता है कि एक बार गुरु गोबिंद सिंह अपने घोड़े पर सवार होकर हिमाचल प्रदेश से गुजर रहे थे और एक स्थान पर उनका घोड़ा अपने आप आकर रुक गया। उसी के बाद से उस जगह को पवित्र माना जाने लगा और उस जगह को पोंटा साहिब के नाम से जाना जाने लगा। दरअसल 'पोंटा'' शब्द का अर्थ होता है 'पांव' और जिस जगह पर घोड़े के पांव अपने आप थम गए, उसी जगह को पोंटा साहिब नाम दिया गया। गुरु जी ने अपने जीवन के चार वर्ष पोंटा साहिब में ही बिताए, जहां अभी भी उनके हथियार और कलम रखे हैं।

1699 में बैसाखी के दिन तख्त श्री केसगढ़ साहिब में कड़ी परीक्षा के बाद पांच सिखों को ह्यपंज प्यारेह्ल चुनकर गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिसके बाद प्रत्येक सिख के लिए कृपाण या श्रीसाहिब धारण करना अनिवार्य कर दिया गया। वहीं पर उन्होंने 'खालसा वाणी' भी दी, जिसे 'वाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' कहा जाता है। उन्होंने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए थे, जिन्हें 'पंच ककार' (केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा) कहा जाता है। गुरु गोबिंद सिंह ने ही 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के स्थायी गुरु का दर्जा दिया था। सन् 1708 में गुरु गोबिंद सिंह ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिविर लगाया था। वहां जब उन्हें लगा कि अब उनका अंतिम समय आ गया है, तब उन्होंने संगतों को आदेश दिया कि अब गुरु ग्रंथ साहिब ही आपके गुरु हैं। गुरु जी का जीवन दर्शन था कि धर्म का मार्ग ही सत्य का मार्ग है और सत्य की हमेशा जीत होती है। वे कहा करते थे कि मनुष्य का मनुष्य से प्रेम ही ईश्वर की भक्ति है, अतः जरूरतमंदों की मदद करो। अपने उपदेशों में उनका कहना था कि ईश्वर ने मनुष्यों को इसलिए जन्म दिया है ताकि वे संसार में अच्छे कर्म करें और बुराई से दूर रहें।

उन्होंने कई बार मुगलों को परास्त किया। आनंदपुर साहिब में तो मुगलों से उनके संघर्ष और उनकी वीरता का स्वर्णिम इतिहास बिखरा पड़ा है। सन् 1700 में दस हजार से भी ज्यादा मुगल सैनिकों को सिख जांबाजों के सामने मैदान छोड़कर भागना पड़ा था और गुरु जी की सेना ने 1704 में मुगलों के अलावा उनका साथ दे रहे पहाड़ी हिन्दू शासकों को भी करारी शिकस्त दी थी। मुगल शासक औरंगजेब की भारी-भरकम सेना को भी आनंदपुर साहिब में दो-दो बार धूल चाटनी पड़ी थी। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार सिंह भी उन्हीं की भांति बेहद निडर और बहादुर योद्धा थे। अपने धर्म की रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोबिंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था और माता गुजरी को किले की दीवार से गिराकर शहीद कर दिया गया था। गुरु गोबिंद सिंह ने 7 अक्टूबर 1708 को महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्थित श्री हुजूर साहिब में अपने प्राणों का त्याग किया था।

पूरी दुनिया गांधी की कायल, पर हम नाम मिटाने में मशगूल

दिलीप कुमार पाठक

मनरेगा से गांधी जी के नाम को हटाना केवल और केवल घटिया राजनीति का नमूना है, ये देश दुनिया के लिए हैरान करने वाला है ' क्या गांधी का नाम इतना भारी था कि उसे हटाना पड़ा? आज संपूर्ण विश्व न केवल महात्मा गांधी को नमन करता है, बल्कि उनके सिद्धांतों को जीवन के आधार स्तंभ के रूप में स्वीकार करता है। वे मात्र एक ऐतिहासिक पुरुष नहीं, बल्कि एक शाश्वत वैश्विक आइकन हैं, जिनके विचार समय की सीमाओं को लांघकर हर युग में प्रासंगिक बने हुए हैं।

विश्व के महानतम विभूतियों की श्रेणी में गांधी जी का नाम सर्वोच्च सम्मान के साथ अंकित है। उनके विचार आज भी मानवता के लिए एक मशाल की तरह हैं, जो घृणा और हिंसा के अंधकार में शांति, सत्य और अहिंसा का मार्ग प्रशस्त करते हैं। गांधी जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक विश्व-पथप्रदर्शक हैं। अपनी अडिग विचारधारा और नैतिक बल के कारण वे सीमाओं से परे, विश्व के करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करते हैं। उनकी विरासत आज भी एक बेहतर और न्यायपूर्ण दुनिया के निर्माण की प्रेरणा देती है। गांधी जी कितने महान हैं इस बात से समझा जा सकता है कि जब भारत में जी - 20 समिट हुआ तब दुनिया के शीर्ष नेताओं ने नंगे पैर जाकर गांधी जी के समाधि स्थल राजघाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की थी, आज भी जब दुनिया का कोई शीर्षस्थ इंसान आता है तो वो सबसे पहले गांधी जी को प्रणाम करने आता है, क्योंकि हमारे देश में गांधी जी से ज़्यादा सुन्दर, विराट, अतुलनीय विरासत कुछ और नहीं है ' महात्मा गांधी की वैचारिक आभा आज संपूर्ण विश्व में दैदीप्यमान है। वर्तमान में दुनिया के 100 से अधिक देशों में उनकी प्रतिमाएं स्थापित हैं, जो इस बात का प्रमाण हैं कि वे आधुनिक इतिहास की उन विरलतम हस्तियों में शुमार हैं जिनकी स्मृतियों को विदेशों ने सर्वाधिक सम्मान के साथ संजोया है। 2025 तक के नवीनतम आंकड़ों और सूचना के अधिकार (आरटीआई) के अनुसार, विश्व के कम से कम 102 राष्ट्रों में बापू की मूर्तियां और स्मारक श्रद्धा का केंद्र बने हुए हैं। इनमें से 82 देशों में उनकी भव्य पूर्ण आकार की प्रतिमाएं राष्ट्रपिता के कद की वैश्विक स्वीकृति को दशार्ती हैं। अमेरिका वह राष्ट्र है जहाँ भारत के बाहर गांधी जी के सर्वाधिक स्मारक स्थित हैं। इसके अतिरिक्त ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, रूस, चीन, स्विट्जरलैंड और अर्जेंटीना जैसे शक्तिशाली देशों के प्रमुख नगरों में उनकी प्रतिमाएं शांति और सद्भाव का संदेश दे रही हैं। गांधी जी का सम्मान केवल मूर्तियों तक सीमित नहीं है; विश्व के 150 के करीब देशों ने उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किए हैं और अनगिनत सड़कों व शैक्षणिक संस्थानों का नामकरण उनके नाम पर किया गया है। लंदन का पार्लियामेंट स्क्वायर, न्यूयॉर्क का यूनियन स्क्वायर और जोहान्सबर्ग की गलियां आज भी उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों की गवाह हैं। आज समूचा विश्व बापू के जीवन दर्शन का अध्ययन कर रहा है। यह भारतवर्ष का परम सौभाग्य और गौरव है कि ऐसे महामानव हमारे पूर्वज रहे हैं, जिन्होंने न केवल भारत को स्वतंत्र कराया, बल्कि पूरी मानवता को जीने की एक नवीन दृष्टि प्रदान की।

पूरी दुनिया जब हमारे पूर्वज गांधी जी को पूज रही है यहां तक कि यूरोप, अमेरिका में गांधी जी को ईसा मसीह की तरह माना जाता है, लेकिन हम कितने कृतघ्न हैं कि हम आज गांधी जी के नाम को योजनाओं से हटा रहे हैं! दुनिया जब इस बात को जानेगी तो हम पर हँसेगी कि इससे कृतघ्न क्या कोई समाज हो सकता है, जिसकी रोज वंदना होना चाहिए, उनके प्रति हम असम्मान जाहिर करें? मोदी सरकार को ध्यान रखना चाहिए कि नाम बदलने से नहीं, गांधी के सिद्धांतों पर चलने से होगा विकसित भारत।

ये बात मैं इसलिए भी कर रहा हूं क्योंकि मोदी सरकार ने मनरेगा यानि गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम से गांधी जी का नाम हटा दिया है, जो सुनकर ही मन कचोट कर रह गया ' नए अधिनियम (VB-G RAM G Act, 2025) के तहत योजना के नाम से महात्मा गांधी हटा दिया गया है। पहले इसकी फंडिंग केंद्र सरकार करती थी, लेकिन अब केंद्र और राज्य की फंडिंग का अनुपात बदल गया है। पहले केंद्र सरकार 90% खर्च उठाती थी, लेकिन अब यह 60% (केंद्र) और 40% (राज्य) कर दिया गया है। अगर राज्यों के पास बजट न हुआ और राज्य सरकारों ने इसे लागू करने से इंकार किया तो सरकार के पास इसका कोई समाधान है? लगता है जैसे मोदी सरकार कोई भी काम सनसनी फैलाने के लिए ही कर रही है क्योंकि निर्णयों में कोई दूरदर्शिता नहीं है, चूंकि कई बार मोदी सरकार ने आलोचनाओं या खुद भी मूल्यांकन के बाद कई बार अपने नियमो, कानूनो को खुद ही बदला है ' परंतु इस बार देश के महान राष्ट्रपिता का नाम देश की सबसे बड़ी जनकल्याण योजना से उनका नाम हटाना घटिया राजनीतिक कुचक्र को दशार्ता है '

अरावली की चिन्ताः नारे से आगे, अस्तित्व की लड़ाई

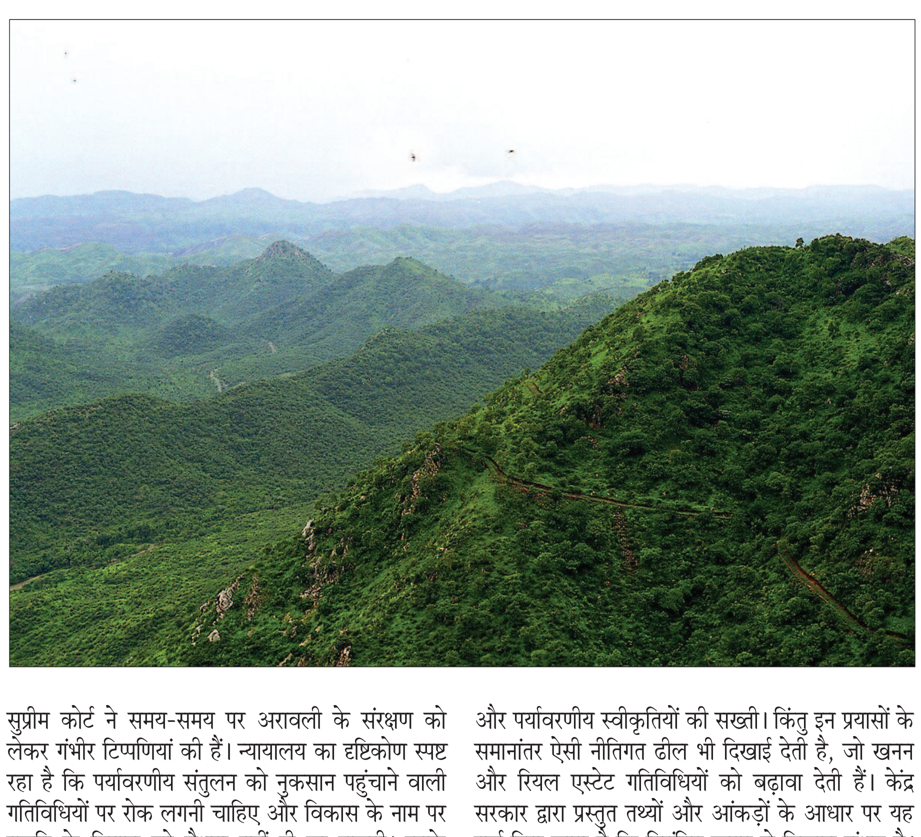

अरावली पर्वत श्रृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता-यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं, बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन ही नहीं हुआ, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का यह कवच ध्वस्त भी हुआ है।

अरावली की आयु भूगर्भीय दृष्टि से करोड़ों वर्षों में आंकी जाती है। यह हिमालय से भी पुरानी है। यही कारण है कि अरावली का स्वरूप अपेक्षाकृत निचला और क्षरित दिखाई देता है, किंतु इसका महत्व कहीं अधिक गहरा है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के बड़े हिस्सों में वर्षा जल का संचयन, भूजल रिचार्ज और मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण अरावली के कारण ही संभव है। थार मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकने में अरावली की भूमिका किसी अदृश्य दीवार की तरह है। आज के समय में पर्यावरणीय संकट बहुआयामी हो चुका है-जल संकट, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित शहरी विस्तार। इन सभी चुनौतियों का एक साझा समाधान अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण है। दुर्भाग्यवश, खनन और निर्माण गतिविधियों ने इस पर्वतमाला को गहरे घाव दिए हैं। पत्थर, संगमरमर और अन्य खनिजों के लिए की जा रही अंधाधुंध खुदाई ने न केवल पहाड़ों को खोखला किया है, बल्कि आसपास के गांवों, नदियों और जंगलों को भी संकट में डाल दिया है। लगातार संकट से घिर रही अरावली को बचाने के लिये एक याचिका 1985 से न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इस याचिका का ही नतीजा है कि अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित श्रेणी में आता है। वैसे अब समय आ गया है कि अरावली को पूरी तरह से खनन-मुक्त रखने का फैसला किया जाये। अब भी खनन जारी रहा तो उससे होने वाले लाभ से कई गुणा ज्यादा कीमत हमें पर्यावरण के मोर्चे पर चुकानी पडेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों की व्याख्या और पुनर्व्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से '100 मीटर ऊंचाई' जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह तर्क न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से कमजोर है, बल्कि पर्यावरणीय समझ के भी विपरीत है। खनन की वजह से अरावली की छलनी हो चुकी है।

पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे, जलधारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण अल्पकालिक आर्थिक लाभ को दीर्घकालिक पर्यावरणीय सुरक्षा से ऊपर रखता है। राजस्थान सरकार की कुछ पहलें संरक्षण की दिशा में सराहनीय कही जा सकती हैं, जैसे वन क्षेत्रों की अधिसूचना, अवैध खनन पर कार्रवाई और पर्यावरणीय स्वीकृतियों की सख्ती। किंतु इन प्रयासों के समानांतर ऐसी नीतिगत ढील भी दिखाई देती है, जो खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह तर्क दिया जाता है कि नियंत्रित खनन से विकास संभव है। परंतु अनुभव बताता है कि 'नियंत्रित' शब्द व्यवहार में अक्सर अर्थहीन हो जाता है। भले ही वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव स्पष्टीकरण दे रहे हैं कि सिर्फ 277 वर्ग किमी में ही खनन की अनुमति है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि नई परिभाषा से खनन बढ़ेगा नहीं, बल्कि अवैध खनन रूकेगा।

विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक पुरानी भूल है। सच्चा विकास वही है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाकर हो। अरावली का संरक्षण विकास विरोधी कदम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास की शर्त है। जिन क्षेत्रों में अरावली को नुकसान पहुंचा है, वहां जल स्तर गिरा है, तापमान बढ़ा है और जैव-विविधता घट गई है। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा और जल संकट में अरावली के क्षरण की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली में वन्यजीव लगभग खत्म होने को है। खनन के विकल्प पर विचार करना होगा। खनन मुख्यत पत्थर के लिये होता है और पत्थरों से सुन्दर घर बनाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है, इस परम्परा पर नये सिरे से चिन्तन करने की अपेक्षा है। घर या इमारत बनाने के दूसरे संसाधन पर सोचना होगा। जिनसे मकान तो बहुत बन जायेंगे, पर कटने वाले पहाड़ फिर कभी खड़े नहीं होंगे। पर्यावरण एवं प्रकृति रक्षक ये पहाड़ कहां से लायेंगे? सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली के साथ-ही-साथ उत्तराखण्ड में भी जंगलों में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ चिन्ता का इजहार किया है। लेकिन अदालतों के साथ सरकारों को भी पर्यावरण, प्रकृति, पहाड़, पहाड़ी जंगलों एवं वन्यजीवों पर कड़ा रुख अपनाना होगा और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता में रखना होगा।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो विश्व के अनेक देशों ने अपनी प्राचीन पर्वतमालाओं और प्राकृतिक संरचनाओं को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संरक्षित किया है। यूरोप में आल्प्स, अमेरिका में रॉकी पर्वत और चीन में पीली नदी के बेसिन क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। इन क्षेत्रों में खनन और निर्माण पर कठोर नियंत्रण है, क्योंकि वहां यह समझ विकसित हो चुकी है कि प्रकृति की कीमत पर आर्थिक समृद्धि टिकाऊ नहीं होती। भारत में भी इस सोच को अपनाने की आवश्यकता है। अरावली केवल जल का स्त्रोत नहीं है; यह जैव-विविधता का आश्रय है। यहां पाए जाने वाले वनस्पति और जीव-जंतु पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगलों की कटाई और पहाड़ों की खुदाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। यह समस्या केवल पर्यावरणीय नहीं, सामाजिक भी है।

आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निमार्ताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएंगे, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा, यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है। धरती मां की रक्षा करना हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। यदि आज हमने लालच को प्राथमिकता दी, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। अंततः, अरावली का सवाल केवल एक पर्वतमाला का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो विकास को विनाश से अलग देखती है। इतिहास उन्हीं समाजों को याद रखता है, जिन्होंने प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर प्रगति की। आइए, हम भी वही इतिहास लिखें, जहां हर आवाज शोर बने और अरावली के साथ जीवन भी भरपूर सुनिश्चित हो।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्यशाला आयोजित

महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प

गंगेशवरी/अमरोहा(सब का सपना):- विकासखंड के सभागार कक्ष में शुक्रवार को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कैडर सदस्यों, ग्राम संगठनों के पदाधिकारियों तथा जीरो पावर्टी अभियान से जुड़े सदस्यों को पात्र गृहस्थी परिवारों को स्वयं सहायता समूहों में शामिल करने के संबंध में दिशा-निर्देश प्रदान करना था। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए खंड विकास अधिकारी ने समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने आजीविका कैंटीन संचालन, उत्पादक समूह गठन, सीमेंट से ईंट निर्माण तथा अन्य रोजगारपरक गतिविधियों से जोड़कर महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने के स्पष्ट निर्देश दिए। साथ ही, जीरो पावर्टी अभियान के तहत पात्र गृहस्थी कार्ड धारक उन परिवारों को चिह्नित करने का आह्वान किया जो अभी तक किसी समूह से नहीं जुड़े हैं। खंड विकास अधिकारी ने कहा कि आगामी तीन महीनों की कार्ययोजना तैयार कर ग्राम पंचायत स्तर पर बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिसमें इन परिवारों को जानकारी दी जाएगी और उन्हें समूहों में शामिल किया जाएगा। इस कार्य में जिला मिशन प्रबंधक (DMM), सभी ब्लॉक मिशन प्रबंधक (BMM), समूह सखी, बैंक सखी, बीसी सखी, ग्राम संगठन पदाधिकारी तथा क्लस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) के पदाधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कार्यशाला में खंड विकास अधिकारी, एडीओ (ISB), जिला मिशन प्रबंधक, ब्लॉक मिशन प्रबंधक तथा बड़ी संख्या में समूह की दीदियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन सुचारू रूप से हुआ और सभी प्रतिभागियों ने गरीबी उन्मूलन तथा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संकल्प व्यक्त किया। यह कार्यशाला ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा जीरो पावर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को प्रभावी रूप से कम करने के उद्देश्य से गोष्ठी का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को प्रभावी रूप से कम करने के उद्देश्य से जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा द्वारा जनपद में गठित क्रिटिकल कॉरिडोर टीम के सदस्यों के प्रशिक्षण, कार्यदिशा निर्धारण एवं सड़क दुर्घटना नियंत्रण से सम्बन्धित अभियोगों की विवेचना के विषय में एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा द्वारा क्रिटिकल कॉरिडोर चिन्हित करने, दुर्घटना संभावित स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने, समयबद्ध रेस्पॉन्स, घायलों को त्वरित चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने तथा सड़क दुर्घटना से सम्बन्धित अभियोगों की निष्पक्ष, वैज्ञानिक एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिये गये। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों /कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराते हुए आमजन को जागरूक किया जाये, जिससे दुर्घटनाओं की संख्या एवं उनमें होने वाली जनहानि को न्यूनतम किया जा सके। गोष्ठी में प्रिंसिपल जज एम.ए.सी.टी. लोकेश राय एवं क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक यादव सहित जनपद के समस्त थानों पर गठित क्रिटिकल कॉरिडोर टीम में नियुक्त पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। अमरोहा पुलिस द्वारा जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट के लक्ष्य को साकार करने हेतु सड़क सुरक्षा, दुर्घटना नियंत्रण एवं प्रभावी विवेचना के माध्यम से निरन्तर ठोस एवं समन्वित प्रयास किये जा रहे हैं।

मैच रॉयल कोटला क्रिकेट क्लब दिल्ली ने 101 रनो से की जीत हासिल

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में मिनी स्टेडियम अमरोहा मे मास्टर भूरे खान एंड शेरू परवेज मेमोरियल सद्भावना कप ऑल इंडिया क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन और युथ क्रिकेट क्लब के तत्वाधान मे कराया जा रहा है आज इस टूनार्मेंट का पहला सेमी फाइनल मैच फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब दिल्ली और रॉयल कोटला क्रिकेट क्लब गजिआबाद के बीच खेला गया, फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब दिल्ली ने टॉस जीता और पहले बोलिंग करने का फैसला किया. पहले बेटिंग करते हुए रॉयल कोटला क्रिकेट क्लब ने 30 ओवर्स मै 8 विकेट पर 222 रनो का विशाल स्कोर खड़ा किया रॉयल कोटला क्रिकेट क्लब कि तरफ से लाखन ने 42 यश गर्ग ने 35 रनो का योगदान दिया फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब कि तरफ से सिद्धार्थ ने 2 और सकलेंन ने एक विकेट लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब मात्र 20.5 ओवर्स मे 121 रनो पर ऑल आउट हो गयी फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की तरफ से ऋथिक ने 36 और नागर ने 23 रनो का योगदान दिया रॉयल कोटला क्रिकेट क्लब कि तरफ से यश गर्ग ने 6 और अंकित ने 3 विकेट लिया,यह मैच रॉयल कोटला क्रिकेट क्लब दिल्ली ने यह मैच 101 रनो से जीत लिया, शानदार बेटिंग और बोलिंग करने के लिए यश गर्ग को नूरी बस के प्रॉपराइटर शाने आलम, डॉ वरुण और सनी स्पोर्ट इम्पोरियम के मालिक इमरान सनी ने मैन ऑफ दा मैच की ट्रॉफी देकर सम्मानित किया ,मैच मे अंपायर के फराइज को सतेंद्र सिंह और जमाल पाशा ने अंजाम दिया मैच मे स्कॉरिंग राहुल गुप्ता एबं सदाकत ने और मैच मे कमेंटरी शमशाद अल्वी ने कि इस मोके पर रिजवान पाशा, इमरान पाशा, नजम अली, परवेज पाशा, शहजाद फारूक, सिकंदर अली, नदीम बादशाह,अकरम अंसारी, मोज्जाम अली, सैंडी गुप्ता, अनिल चौहान, मोहम्मद नूर,बॉबी पाशा, नावेद आमिर, रोहित चंदेल,रजन असगर,महशर अली, मोहम्मद जाहिद, भरत, मोहम्मद जुबैर,तरीक चीना, आकिब, दीपांकूर, नफीस,अजीम अहमद, अनस खान,विजय ठाकुर, जावेद पाशा, मुजाहिद अली,डॉ वरुण,मुकररब पाशा,गुफरान, इकराम अली,अजय राव,शाहबाज, शानदार हुसैन,आरिफ,वाजिद मंसूर, रफी उल्लाह, खावर हसन, गौतम, मोहर सिंह मौजूद रहे।

सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत प्रशासन चला गांव की ओर के अंतर्गत ग्राम चौपाल का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में ग्राम डिडौली, विकास खण्ड-जोया, जनपद अमरोहा में सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत प्रशासन चला गांव की ओर के उद्देश्य से गांव की समस्या, गांव में समाधान हेतु ग्राम चौपला का आयोजन किया गया। इस चौपाल का मुख्य उद्देश्य ग्राम वासियों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण करना है सरकार द्वारा जो योजनाएं संचालित है वह ग्रामवासियों की जो पात्र हैं उन्हें प्राप्त हो रही है अथवा नहीं। ग्राम प्रधान महिपाल सिंह द्वारा जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी को बुके देकर स्वागत किया। ग्राम चौपाल में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने स्वास्थ्य, विद्युत, जल, शौचालय, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा, तालाबों के सौंदर्य करण, स्वयं सहायता समूह के कार्य, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन, निराश्रित पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, साफ-सफाई आदि से संबंधित समस्याओं को सुना और उक्त योजनाओं का लाभ पात्र को प्राप्त हो रहा है अथवा नही विस्तृत जानकारी प्राप्त कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ग्राम चौपाल में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म कर उनके और उनके आने वाले बच्चे को स्वस्थ्य जीवन की कामना की और जिलाधिकारी ने बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को डेमो चाबी देकर उन्हें सम्मानित किया। ग्राम चौपाल में जिलाधिकारी ने ग्रामवासियों से राशन वितरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की उन्होंने कहा कि राशन डीलर द्वारा आपको पूर्ण राशन दिया जा रहा है अथवा नहीं जिस पर ग्रामवासियों ने राशन वितरण में कम राशन देने की जानकारी दी, जिस पर जिलाधिकारी ने कहा यह गंभीर विषय है इसलिए उन्होंने ग्राम डिडौली के तीन राशन डीलरों के जांच के आदेश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभागों की जो योजनाएं चल रही हैं उनका लाभ प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं उन्होंने ग्रामवासियों से पंचायत घर खुलने, पंचायत सहायक के बैठने व लेखपाल और सचिव के आने की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा जी किसी भी योजना में यदि कोई व्यक्ति पत्र है वह पंचायत घर पर जाकर अपने फार्म भरवा दे। उन्होंने सचिव को निर्देश दिए कि जो भी पात्र व्यक्ति हैं उनके फार्म भरवाकर सर्टिफिकेट दें। उन्होंने विशेषकर 70 वर्ष से ऊपर के व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनवाए जाने के लिए संबंधित को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ग्राम में आरोग्य मंदिर है जिस पर जाकर कैंसर, बीपी, टीबी आदि की जांच करवायें और परीक्षण कराने जब जाए तब अपनी आभा आईडी अवश्य बनवा लें क्योंकि सरकार की चिंता है प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ रहे। उन्होंने स्कूल में मिड-डे-मील में बच्चों को अच्छा खाना, फल, दूध आदि की जानकारी प्राप्त की क्योंकि बच्चों को जब दूध, फल आदि मिलेगा तो बच्चे का स्वास्थ्य ठीक होगा क्योंकि बच्चे ही देश का भविष्य हैं। साफ-सफाई के संदर्भ में जिलाधिकारी में ग्रामवासियों से अपील की अपने आसपास साफ-सफाई करें क्योंकि यह हमारे व्यक्तिगत जिम्मेदारी के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी है। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने ग्रामवासियों को युवाओं के रोजगार के लिए सरकार की चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत जानकारी दी की कोई भी उद्यमी जो 18 से 40 वर्ष की उम्र का है वह अपना रोजगार स्थापित करने के लिए 5 लाख तक का ऋण ले सकता है जिस पर कोई ब्याज नहीं है। मुख्य विकास अधिकारी ने विकसित भारत जी राम जी के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि इसे समकालीन आवश्यकताओं एवं आकांक्षाओं तथा विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप बनाया गया है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु, वैधानिक रोजगार गारंटी को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किए जाने का प्रस्ताव है, जिससे आजीविका गारंटी ढांचे को और सुदृढ़ किया जा सके। यह बढ़ी हुई गारंटी ग्रामीण विकास की तीव्र गति को समर्थन देने, अधिक आय सुरक्षा प्रदान करने तथा विस्तारित रोजगार अवसरों के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाने के लिए अभिप्रेत है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी महोदय की विशेष पहल है की जनपद के ब्लॉक, नगर पालिका एवं नगर पंचायत में आजीविका दीदी कैंटीन का शुभारंभ किया जायेगा और इसी के साथ-साथ आजीविका दीदी कैंटीन को स्कूल, विद्यालयों में भी स्थापित किया जाए जाएगा जिससे बच्चों को शुद्ध चीज खाने को प्राप्त होगी।

इस अवसर पर पीडीडीआरडीए अम्बरीष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, उप निदेशक कृषि डा0 रामप्रवेश, जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह, जिला उद्यान अधिकारी अवनीश कुमार श्रीवास्तव, जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी, खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे ।

खराब सड़क से परेशान ग्रामीणों ने एडीएम को ज्ञापन सौपकर दी भूख हड़ताल की चेतावनी

अमरोहा(सब का सपना):- हसनपुर ब्लॉक के कोटा जलालपुर गांव में सड़क की बदहाल स्थिति से तंग आ चुके ग्रामीणों ने शुक्रवार को बड़ा प्रदर्शन किया। भारतीय किसान यूनियन (बीआर अंबेडकर) के नेतृत्व में कार्यकताओं और गांव वासियों ने अमरोहा कलेक्ट्रेट पहुंचकर एडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि गांव की मुख्य सड़क को तत्काल ठीक किया जाए, जो लंबे समय से गड्ढों और कीचड़ से भरी होने के कारण आवागमन में भारी परेशानी पैदा कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क की वजह से रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है, बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कत हो रही है और एम्बुलेंस जैसी जरूरी सेवाएं भी प्रभावित हैं। यूनियन के कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि अगर आगामी 8 दिनों में सड़क की मरम्मत नहीं की गई, तो कोटा जलालपुर गांव के सदस्य और कार्यकर्ता अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठेंगे। यह प्रदर्शन भारतीय किसान यूनियन (बीआर अंबेडकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय भाटी के निर्देश पर आयोजित किया गया। संगठन ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, जलभराव और किसानों की अन्य समस्याओं को लगातार उठाता रहा है।

जिलाधिकारी ने की पी0एम0 सूर्य घर योजना की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में पीएम सूर्य घर योजनांतर्गत विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि यह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। योजना के अंतर्गत जनपद को आंवटित लक्ष्य के सापेक्ष शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को प्रेरित करते हुए ऑनलाईन पंजीकरण कराने के उपरान्त उन्हे शत-प्रतिशत योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक से अनुपस्थित रहने पर अधिशासी अधिकारी नौगांवा सादात और सैदनगली का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों से इंस्टॉल किए गए संयंत्रों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन के मध्य योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में संयंत्र स्थापना में आ रही समस्याओं पर चर्चा की गई तथा उसके निस्तारण के निर्देश संबंधित को दिए। उन्होंने निर्देश दिए की सभी अधिकारी जिन लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, उनका फॉलो अप करते रहे और संयंत्र स्थापना में पूर्ण सहयोग दें। अधिशासी अधिकारी धनौरा ने अवगत कराया कि उनके क्षेत्र में अब तक 28 सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं, जिनमें पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल द्वारा स्वयं भी लगवाया गया और अन्यों को भी प्रेरित करके लगवाया। जिलाधिकारी ने उनकी प्रशंसा करते हुए और अधिक प्रगति करने के निर्देश दिए। पीएम सूर्य घर योजना मुफ्त बिजली योजना के तहत 01 से 10 किलोवाट तक स्थापित संयंत्रों पर सब्सिडी का लाभ दिया जाएगा। 45 हजार से लेकर करीब 1.08 लाख रुपये का अनुदान मिल सकता है। योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु नेशनल पोर्टल https:// pmsuryaghar.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना विभिन्न बैंको द्वारा मात्र 07 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर उपलब्ध अधिकृत वेंडर के माध्यम से ही सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराया जाए। उप जिलाधिकारी/पीओ नेडा मसीहा नजम ने बताया कि जनपद में अब तक 597 सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। जनपद में काफी संख्या में रजिस्ट्रेशन हो रहे हैं, जल्द ही काफी संख्या में संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी/ पीओ नेडा मसीहा नजम, विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण सहित संबंधित उपस्थित रहे।

दिल्ली के ताज पैलेस होटल में धूमधाम से मनाई प्रमुख समाजसेवी खाबर अली खान ने माता-पिता की 50वीं वर्षगांठ

50 साल... एक सफर, एक साथ थीम पर आधारित यह आयोजन पारिवारिक खुशी का बना प्रतीक

अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के ग्राम सिहाली जागीर निवासी प्रमुख समाजसेवी खाबर अली खान ने अपने माता-पिता की 50वीं शादी की वर्षगांठ को दिल्ली के प्रतिष्ठित ताज पैलेस होटल में बेहद उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस भव्य समारोह में देश के नामी समाजसेवी, केंद्रीय मंत्री, सांसद, विदेशी राजदूत, खेल जगत की हस्तियां और सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। 50 साल... एक सफर, एक साथ थीम पर आधारित यह आयोजन न केवल पारिवारिक खुशी का प्रतीक बना, बल्कि खाबर अली खान की सामाजिक प्रतिबद्धता को भी दशार्ता रहा। बचपन से ही समाजसेवा के प्रति समर्पित खाबर अली खान देश के गिने-चुने समाजसेवियों और सफल बिजनेसमैनों में शुमार हैं। अपने व्यवसायिक सफर के दौरान उन्होंने लगभग 35 देशों का दौरा किया है। वे 'सीक्रेट ऑफ इंडिया' कंपनी के मालिक हैं और बचपन से ही वीआईपी संस्कृति में पले-बढ़े हैं। उनके संबंध उच्च नेताओं, आईपीएस अधिकारियों, प्रमुख खिलाड़ियों और फिल्मी सितारों तक फैले हुए हैं। फिर भी, वे जमीनी स्तर के सादगीपूर्ण व्यक्ति हैं। उनकी पहुंच समाज के सबसे गरीब तबके तक है, और वे हर जरूरतमंद की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। यही वजह है कि समाज का हर वर्ग उन्हें हृदय से पसंद करता है। समारोह में जश्न का माहौल छाया रहा। अनेक केंद्रीय मंत्री, सांसद, बॉलीवुड हस्तियां, विदेशी राजदूत और खेल जगत के नामी सितारे उपस्थित थे। खाबर अली खान की ननिहाल उत्तर प्रदेश के जनपद अमरोहा के कस्बा उझारी की है। इसके अलावा, वे अपने निजी कोष से सिहाली जागीर में एक आधुनिक लाइब्रेरी का निर्माण करवा रहे हैं, जो स्थानीय युवाओं के लिए ज्ञान का नया केंद्र बनेगी। कार्यक्रम के दौरान भावुक होकर खाबर अली खान ने अपने माता-पिता से कहा, आपने हमें सिर्फ जिंदगी ही नहीं दी, बल्कि जिंदगी जीने का सलीका सिखाया। यह क्षण उपस्थित सभी के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ। खाबर अली खान का यह आयोजन न केवल पारिवारिक बंधनों की मिसाल है, बल्कि सामाजिक सेवा के माध्यम से समाज को जोड़ने की उनकी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। अमरोहा और आसपास के क्षेत्रों में उनकी यह पहल नई ऊर्जा का संचार कर रही है।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बुढ़नपुर में जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बुढ़नपुर में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों हेतु जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्राचार्य सुश्री शाहीन के निर्देशन में योग प्रभारी प्रवक्ता रवि यादव द्वारा इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। प्राचार्य शाहीन के द्वारा शिक्षकों को योग के महत्व के बारे में तथा सभी को अपने जीवन में योग अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया गया । पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान लोकेश कुमार संविलियन विद्यालय बांसली तथा महिला वर्ग में प्रथम स्थान ईशा देवी संविलियन विद्यालय इकोंदा ने प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में द्वितीय स्थान महेश कुमार, प्राथमिक विद्यालय शेखुपुरा इमा, महिला वर्ग रेणु, संविलन विद्यालय पीला कुंड तथा पुरुष वर्ग में तृतीय स्थान जयदीप सिंह, प्राथमिक विद्यालय घनसुरपुर तथा महिला वर्ग शालिनी प्राथमिक विद्यालय मुंडी सरकड़ी ने प्राप्त किया। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों द्वारा राज्य स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जाएगा।

महिलाओं एवं बलिकाओं को वितरित किये गये पम्पलेट व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों से कराया गया अवगत

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें

सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया एवं पुलिस टीमों द्वारा सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों के बारे में तथा सरकार द्वारा प्रत्येक थाने को दिए गए हैं मिशन शक्ति CUG नंबर के बारे में भी बताया गया ।

धनौरा में गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर निकाली गई प्रभात फेरी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में स्थित गुरुद्वारा गुरु सिंह साहिब में गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में प्रभात फेरी का आयोजन कराया गया। बता दें कि शुक्रवार को सिख समाज के महिला ,पुरुष और बच्चों ने इसमें उत्साह पूर्वक भाग लिया। यह प्रभात फेरी 27 दिसंबर 2025 को मनाए जाने वाले प्रकाश दिवस तक प्रतिदिन निकाल जाएगी। प्रभात फेरी को गुरुद्वारा साहिब धनौरा से प्रारंभ किया गया ,यह मुख्य बाजार होली पार्क और बायपास मार्ग से होते हुए वापस गुरुद्वारा साहब धनौरा में संपन्न हुई। इस दौरान संगत ने शब्द कीर्तन किया जिससे वातावरण भक्ति में हो गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संगत उपस्थित रही। इनमें

ज्ञानी वीर सिंह, बलजीत सिंह, मनजीत सिंह, सुरजीत सिंह, त्रिवेंद्र सिंह ,सिमरन कौर, सोनी कौर ,हरजीत कौर, लोकेश कौर, हरविंदर कौर, सुखमणि कौर, नीतू कौर ,परमजीत कौर ,गुरप्रीत सिंह, रंजीत कौर, करिश्मा सिद्धू ,रजनी ढिल्लों सहित सैकड़ो की संख्या में सिक्ख समाज के लोग शामिल रहे।

संभल में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, होटल जा रहा था खाना खाने

बहजोई। बहजोई इस्लामनगर मार्ग पर गांव मऊ कठेर के निकट हनुमान मंदिर के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया, जिसे अस्पताल लाया गया, जहां उसे अमृत घोषित कर दिया गया। बहजोई थाना क्षेत्र के गांव मऊ कठेर निवासी रोहित मिश्रा (22) बाइक पर सवार होकर अपने घर से होटल पर खाना खाने जा रहा था, जैसे ही वह गांव के पास हनुमान मंदिर के निकट पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। मौके से गुजर रहे ग्रामीणों ने घायल युवक को देखा तो तत्काल इसकी सूचना एंबुलेंस 108 और उसके स्वजन को दी। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायल को उपचार के लिए बहजोई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की सूचना मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया और घर में मातम छा गया। प्रभारी निरीक्षक संत कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हुई है, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, फिलहाल घटना की कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला चंदौसी के युवक का शव, हत्या की आशंका

चंदौसी। क्षेत्र के करेली निवासी युवक अमृत सिंह की दो दिन पहले नोएडा में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। अमृत सिंह अपने एक साथी के साथ वहां के गांव घोड़ी बछेड़ी रहकर पुताई आदि का कार्य करता था। 24 दिसंबर की रात करीब आठ बजे अजयपुर जंक्शन और वोडा जंक्शन के बीच रेलवे ट्रैक के पास पड़ा मिला। स्वजन ने युवक की हत्या की आशंका जताई है। बताया गया कि घटना के समय अमृत (18) अपने दोस्त सुखबीर के साथ कमरे में लेटा हुआ था। इसी दौरान अमृत टायलेट जाने की बात कहकर बाहर निकल गया। लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटा। सुखवीर ने जब उसे फोन किया तो अमृत ने उसे फिर फोन करने की बात कहकर फोन काट दिया।इसके बाद कई बार नंबर ट्राई किया पर बात नहीं हो सकी। सुबह काम पर जाने के समय ठेकेदार बंटी ने अमृत को फोन किया, लेकिन फोन एक सिपाही ने उठाया। सिपाही ने बताया कि अमृत की मौत हो चुकी है और परिजनों का नंबर मांगा। इसके बाद मृतक के चाचा मनोज को सूचना दी गई। पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। शुक्रवार को जैसे ही शव घर पहुंचा गांव में परिवार में कोहराम मच गया। पिता धर्मवीर ने अमृत की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

धनौरा क्षेत्र स्थित हॉस्पिटल में प्रसव के दौरान गर्भवती महिला की मौत

परिजनों का आरोप-डॉक्टरों की लापरवाही के कारण हुई महिला की मौत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र में एक निजी अस्पताल में एक गर्भवती महिला की डिलीवरी के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने महिला की मौत का कारण डॉक्टर के लापरवाही बताते हुए महिला के शव को सड़क पर रख कर जाम लगा दिया। बता दें कि थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के नवाबपुरा स्थित माधव नर्सिंग होम में मुकरामपुर निवासी 25 वर्षीय प्रियंका की डिलीवरी के दौरान मौत हो गई, परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टर पर महिला की डिलीवरी में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए अस्पताल के बाहर सड़क पर शव को रखकर जाम लगा दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रियंका को 22 दिसंबर को डिलीवरी के

परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर लगाया जाम, खास बात यह कि 3 महीने पहले भी अस्पताल की ओटी की गई थी सील

लिए नर्सिंग होम में भर्ती कराया था ,परिजनों के अनुसार इसी दिन ऑपरेशन के जरिए प्रसव कराया गया था इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई परिजनों का आरोप है कि अस्पताल के डॉक्टरों की लापरवाही के कारण 26 दिसंबर को प्रियंका की मौत हो गई,इस पर गुस्साए परिजनों ने दोपहर 1:00 बजे से माधव नर्सिंग होम के बाहर सड़क पर मृतक प्रियंका के परिजनों ने उसके शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया जहां परिजन और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। वहीं इस मामले की सूचना मिलने पर तीन थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। एसडीएम विभा श्रीवास्तव और सीओ अंजलि कटारिया भी घटनास्थल पर पहुंच गई जिन्होंने वहां हंगामा कर रहे परिजनों और ग्रामीणों को समझा कर शांत करने का प्रयास किया। मृतक प्रियंका के परिजन चिकित्सक के खिलाफ कार्यवाही की मांग पर अड़े हुए हैं। वहीं इस मामले में थाना मंडी धनौरा प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार ने बताया कि महिला की मौत की जानकारी मिली है उन्होंने कहा है कि परिजन हंगामा कर रहे हैं और पुलिस उन्हें समझा कर जाम खुलवाने का प्रयास कर रही है। इसके अलावा आपको बता दे कि इस अस्पताल के बारे में खास बात यह भी रही है कि अब से तीन माह पहले भी इस अस्पताल की ओटी को सितंबर माह की 15 तारीख को उप जिला अधिकारी व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सील कर दिया था उसके बावजूद भी आरोप है कि अस्पताल की ओटी में मरीजों का ऑपरेशन किया जा रहा था। फिलहाल एसडीएम विभा श्रीवास्तव, सीओ अंजलि कटारिया धनौरा सीएचसी प्रभारी राहुल कुमार ने अस्पताल सील करने की कार्यवाही कर दी है। मृतक महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत, बिना किसी पुलिस कार्रवाई के ही शव का किया अंतिम संस्कार

सौंधन। कैला देवी थाना क्षेत्र के मुजाहिदपुर गांव निवासी युवक की सड़क हादसे में घायल होने के बाद शुक्रवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। स्वजन ने बिना पुलिस को सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार कर दिया। गांव निवासी 32 वर्षीय मुकेश 19 दिसंबर की शाम अपने बेटे तनजीत व रोहित के साथ किसी रिश्तेदारी से लौट रहे थे। जैसी ही वह धनारी थाना क्षेत्र के आर्थल चौराहे के नजदीक पहुंचे तो किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बेटा रोहित व मुकेश गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें स्वजन ने बेहतर उपचार के लिए मुरादाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गुरुवार को हालत में सुधार न होने पर मुरादाबाद से दिल्ली के लिए रेफर किया गया था। दिल्ली के अस्पताल में शुक्रवार की सुबह मुकेश की मौत हो गई। मौत की जानकारी मिलने पर स्वजन में खलबली मच गई। उन्होंने बिना किसी पुलिस कार्रवाई के ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

'तुम्हारे बेटे का प्रिंसिपल बोल रहा हूं, कहकर ठग ने बैंक अकाउंट से उड़ाए 10 हजार रुपये

सौंधन। साइबर ठगी करने वाले अब नए-नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसा ही एक मामला कैला देवी थाना क्षेत्र के गांव से आया है। जहां एक पिता पर उसके बेटे का प्रिंसिपल बनकर कॉल की और 10 हजार रुपये अपने खाते में डलवा लिए। जानकारी करने पर उन्हें अपने साथ ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन नंबर तथा संबंधित थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई गई है। कमालपुर खानूपुरा गांव निवासी श्योराज के पास शुक्रवार की सुबह करीब नौ बजे एक अंजान नंबर से कॉल आई। फोन करने वाले व्यक्ति ने बेटे का नाम लेते हुए कहा कि संजू बात कर रहे हैं क्या? इस पर पिता ने कहा कि नहीं, संजू बेटा तो स्कूल गया है और वह उसके पिता बोल रहे हैं। इसके बाद कॉल करने वाले ने खुद का प्रिंसिपल बताते हुए अपनी कहानी सुनाते हुए कहा कि आपके बेटे के खाते में 25 हजार रुपये डलवाए गए हैं लेकिन, मेरा खाता काम नहीं कर रहा है। मेरे बेटे का आपरेशन होना है और मैं अस्पताल में हूं, इसलिए तत्काल वह पैसे मेरे खाते में डाल दीजिए। बेटे और आपरेशन का नाम सुनते ही श्योराज घबरा गए। श्योराज को नेट बैंकिंग की जानकारी नहीं थी, इसलिए वह अपने भतीजे ओमप्रकाश के पास पहुंचे। भतीजे के मोबाइल से उन्होंने उस व्यक्ति द्वारा बताए गए खाते में 10 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद जब ठग ने और जल्दी पैसे डालने का दबाव बनाया तो ओमप्रकाश को शक हुआ। ओमप्रकाश ने बिना देर किए साइबर सेल के हेल्पलाइन नंबर 1930 पर काल कर पूरी जानकारी दी और साथ ही कैला देवी थाने में भी सूचना दी। पुलिस के अनुसार ठगी करने वाले ने पीड़ित के खाते से सुबह 9:38 बजे रुपये ट्रांसफर कराए थे। सूचना दर्ज होने से पहले ही साइबर ठग ने फिनो बैंक के खाते का उपयोग करते हुए पोस मशीन के जरिए ओमनी कार्ड से नोएडा से 7,714 रुपये निकाल लिए।

जिले में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई: दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में अवैध खनन पर प्रशासन की सख्ती जारी है। उत्तर प्रदेश उप खनिज नियमावली के प्रावधानों के तहत जांच के दौरान पाया गया कि कुछ वाहनों द्वारा अवैध रूप से खनन किया जा रहा था। इस मामले में उप जिलाधिकारी शशि भूषण के नेतृत्व में जीएसटी विभाग और अन्य अधिकारियों की संयुक्त टीम ने प्रभावी कार्रवाई की। टीम ने आरिफ पुत्र अब्बास (मसूरी, गाजियाबाद), सावेज पुत्र अबरार मंसूरी (गाजियाबाद) और मनुजर पुत्र कलवा (निवासी वासीपुर, धनौरा,

अमरोहा) से जुड़े दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा, जो कमर्शियल परिवहन में उपयोग हो रहे थे। ये वाहन अवैध खनन से लदे हुए थे। घटना रजबपुर थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। आज सुबह ही इन वाहनों को थाना रजबपुर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिले में अवैध खनन माफिया पर नकेल कसने के लिए प्रशासन लगातार अभियान चला रहा है। इससे पहले भी कई ऐसे मामलों में वाहन जब्त किए जा चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे मामलों में सख्ती से निपटा जाएगा ताकि नियमों का उल्लंघन रुके।

ठंड की मार से दो जहरीले सांपों की कुएं में मौत, एक रेस्क्यू कर जंगल में सुरक्षित छोड़ा

सांपो को मारें नहीं ये हमारे पर्यावरण मित्र हैं ये हमारी खेती को बचाते हैं:- जाबुल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई अंतर्गत फरीदपुर खुशहाल गांव में एक कुएं से तीन सांप निकलने की घटना ने ग्रामीणों में हड़कंप मचा दिया। ठंड के कारण दो सांप मृत पाए गए, जबकि तीसरा सांप जिंदा बच गया। स्थानीय निवासी राजेश ने कुएं में सांपों को देखा और तत्काल वन विभाग में मौजूत नीरज कुमार को सूचित किया नीरज ने सांप रेस्क्यूवर जाबुल स्नेक सेवर को फोन के मध्यम से बताया। जाबुल ने मौके पर पहुंचकर एक मृत कोबरा, एक मृत रसल वायपर और एक जिंदा इंडियन रैट स्नेक को कुएं से निकाला। जिंदा सांप को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। घटना की जानकारी देते हुए फरीदपुर खुशहाल के निवासी राजेश ने बताया, "मैंने कुएं के पास जाकर

सांपो की जानकारी देते हुए

कुएं से जिंदा सांप को निकालते जाबुल स्नैक सेवर

देखा तो अंदर तीन सांप नजर आए। मैंने तुरंत जाबुल को फोन किया। बताया जा रहा है कि ये सांप लगभग 20 दिनों से कुएं में फंसे हुए थे और कड़ाके की ठंड के कारण दो की मौत हो गई। राजेश ने ग्रामीणों से अपील की कि सांप दिखने पर घबराहट न करें और जाबुल को बुलाएं। मौके पर पहुंचे जाबुल स्नेक सेवर ने रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया। उन्होंने बताया, कुएं से निकले दो सांप–कोबरा और रसल वायपर–पूरी तरह मृत अवस्था में थे। ये दोनों जहरीले प्रजाति के हैं, लेकिन ठंड की वजह से इनकी गतिविधियां रुक गईं। तीसरा सांप इंडियन रैट स्नेक था, जो गैर-जहरीला है। इसे हमने सुरक्षित कुएं से बाहर निकाला और जंगल में छोड़ दिया। जाबुल ने खुलासा किया कि ठंड के मौसम में सांप अक्सर ऐसे स्थानों पर छिप जाते हैं,जहां उन्हें गर्माहट महसूस हो सके क्यों कि ये ठंडे खून वाले होते हैं ,ठंड से इनका ब्लड जम जाता है। जाबुल ने सांपों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा, मेरा मुख्य उद्देश्य इंसानों को सांपों से बचाना और सांपों को इंसानों से बचाना है। सांप हमारे पर्यावरण के मित्र हैं–वे चूहों और अन्य कीटों को नियंत्रित रखते हैं। अगर किसी के घर, दुकान या किसी ऐसी जगह पर सांप दिखाई दे जहां खतरा हो, तो कृपया दूरी बनाएं और मुझे कॉल करें। चाहे आधी रात ही क्यों न हो, मैं अपनी टीम के साथ पहुंच जाऊंगा और सांप का सुरक्षित रेस्क्यू करूंगा। सांपों को मारना बंद करें, ये हमारी पारिस्थितिकी का अभिन्न हिस्सा हैं सबको जीने का अधिकार है।

जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पेंशिया ने किया वेयरहाऊस का त्रिमासिक निरीक्षण

संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया द्वारा सम्भल के शहजादी सराय स्थित ई.वी.एम.वी.वी.पैट वेयरहाऊस का त्रिमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाऊस की साफ सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था तथा सीसीटीवी कैमरे एवं लॉग बुक आदि सभी व्यवस्थाओं को चेक किया।जिलाधिकारी ने कक्षों को चेक किया संबंधित अधिकारी को कक्षों एवं भवन की साफ सफाई कराने को लेकर निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने निर्वाचन से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि छत पर लगा हुआ पानी का टैंक जोकि लीक हो रहा है उसको ठीक कराया जाए और उन्होंने कहा कि छत पर साफ सफाई का भी विशेष ध्यान दिया जाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा तहसील सभागार सम्भल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों का निरीक्षण किया। एएसडी सूची, डिजिटलाइजेशन आदि को लेकर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार,उप जिलाधिकारी सम्भल रामानुज,डिप्टी कलक्टर निधि पटेल,अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सम्भल डॉ मणिभूषण तिवारी, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी, भाजपा युवा मोर्चा से सौरभ गुप्ता एवं जिला पंचायत सदस्य अवधेश राघव एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

'झुग्गियों में सुविधा बढ़ाने के लिए 700 करोड़ दिए', CM रेखा गुप्ता का आरोप- पिछली सरकारों ने सिर्फ राजनीति की

दक्षिणी दिल्ली : दिल्ली की झुग्गियों में सुविधाएँ बढ़ाने के लिए 700 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस अवसर पर, सीएम रेखा गुप्ता ने पिछली सरकारों पर केवल राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों ने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, जबकि वर्तमान सरकार झुग्गीवासियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस आवंटन से झुग्गी क्षेत्रों में विकास कार्य किए जाएंगे। दक्षिणी दिल्ली। लाजपत नगर स्थित नेहरू नगर में कैंटीन शुभारंभ के मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछली सरकारों ने झुग्गियों के नाम पर राजनीति की और डूसिब (दिल्ली अर्बन शेल्टर इंप्रूवमेंट बोर्ड) को कमजोर करने का काम किया। पिछली सरकार की ओर से 31 मार्च की रात को डूसिब के खाते में 100 करोड़ ट्रांसफर कर दिए जाते थे और 12 बजे बजट खत्म हो जाता था। परिणाम यह हुआ कि झुग्गियों में न पानी पहुंचा, न शौचालय बने। हमने डूसिब को 700 करोड़ रुपए का बजट दिया है और स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि झुग्गियों में शौचालयों के साथ बहनों के लिए स्नानगृह भी सम्मानजनक तरीके से बनाए जाएं। आप सरकार बनते ही बंद हुई थी जन आहार योजना वर्ष 1998 से 2013 तक दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित रहीं। उन्होंने 2010 में "जन आहार योजना" नाम से ऐसी ही योजना शुरू की थी। इसमें 15 रुपये में भोजन दिया जाता था, जिसमें छह पूरी या चार रोटी, 400 ग्राम चावल, सब्जी, दाल या राजमा या छोले, दही या रायता और पीने का एक ग्लास पानी मिलता था। समय के साथ 15 रुपये को बढ़ाकर शुल्क 18 रुपये कर दिया गया था। आम आदमी पार्टी के सत्ता में आने पर इसका नाम बदलकर "आम आदमी कैंटीन योजना" शुरू करने की योजना बनी। प्रस्ताव था कि पांच या 10 रुपये में खाना दिया जाएगा। हालांकि आम आदमी पार्टी के दस वर्ष से अधिक के कार्यकाल में यह योजना कभी धरातल पर उतर ही नहीं पायी। गौतम गंभीर ने की थी जन रसोई की शुरूआत पूर्वी दिल्ली से सांसद बनने पर गौतम गंभीर ने अपने क्षेत्र में गांधी नगर में 24 दिसंबर 2020 को जन रसोई की शुरूआत की थी, जहां लोगों को एक रुपये में भोजन मिलता था। इसके बाद उन्होंने गणेशपुर, शकरपुर में भी ऐसी ही कैंटीन खोली। रोजाना लगभग 1000 लोग खाना खाने के लिए पहुंचते थे। एक थाली में पर्याप्त मात्रा में चावल, दाल, सब्जी और सलाद दिया जाता था। जन रसोई का प्रबंधन गौतम गंभीर फाउंडेशन की ओर से किया जाता था। राजनीति से उनके हटने के बाद से जन रसोई बंद है। एमसीडी ने पहले भी खोली थी कैंटीन पूर्वकालिक दक्षिणी और उत्तरी निगम ने अटल आहार केंद्र खोले थे। इसमें दस रुपये गरीबों को खाना खिलाने की बात थी। वर्ष 2017 में इसे तत्कालीन महापौर कमलजीत सहरावत ने शुरू किया था। वह भी अटल बिहारी बाजपेयी की जन्मतिथि पर। पर योजना करीब सात से आठ माह तक चली लेकिन निगम की खराब आर्थिक स्थिति के कारण एनजीओ को भुगतान नहीं हो पाया तो योजना बंद हो गई।

> *दिल्ली की झुग्गियों में सुविधाएँ बढ़ाने के लिए 700 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस अवसर पर, सीएम रेखा गुप्ता ने पिछली सरकारों पर केवल राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों ने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, जबकि वर्तमान सरकार झुग्गीवासियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस आवंटन से झुग्गी क्षेत्रों में विकास कार्य किए जाएंगे।*

मानसिक दिव्यांग महिला से दुष्कर्म करने वाले को साढ़े सात साल की कैद, सवा आठ वर्ष जेल में बीता चुका है दोषी

बाहरी दिल्ली : दिल्ली में मानसिक रूप से दिव्यांग महिला से दुष्कर्म के मामले में अदालत ने दोषी को साढ़े सात साल की कैद की सजा सुनाई है। दोषी पहले ही सवा आठ साल जेल में बिता चुका है। अदालत ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए यह फैसला सुनाया। यह मामला पीड़िता के लिए न्याय की एक मिसाल है। मानसिक तौर से दिव्यांग 25 वर्षीय महिला से दुष्कर्म करने वाले व्यक्ति को रोहिणी कोर्ट ने साढ़े सात साल के कठोर कारावास की सजा दी है। उल्लेखनीय पहलू यह है कि दोषी लगभग सवा आठ वर्ष जेल में बीता चुका है। हालांकि, दोषी को धारा 428 सीआरपीसी के (दोष सिद्धि से पहले हिरासत की अवधि का सजा के विरुद्ध समायोजन) तहत लाभ मिलेगा। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अभियुक्त के कृत्य के कारण पीड़िता को गहरा मानसिक कष्ट झेलना पड़ा। कोर्ट ने डीएलएसए को पीड़िता को नियम अनुसार मुआवजा देने के निर्देश देते हुए कहा कि पीड़िता को मुआवजा देने से उसके घावों को कुछ हद तक भरने में सहायता मिलेगी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विप्लव डबास ने लगभग आठ साल पुराने दुष्कर्म के मामले की सुनवाई करते हुए दोषी को सजा सुनाई। न्यायाधीश ने धारा 376 के तहत दोषी गुड्डू झा को साढ़े सात साल की कठोर कैद की सजा और 10 हजार रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया है। जुमार्ना अदा न करने की स्थिति में, दोषी को छह महीने के कारावास की सजा भुगतनी होगी। यह घटना आठ सितंबर 2017 की है। स्वरूपनगर पुलिस थाने में दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार, आरोपित गुड्डू झा ने पड़ोस में रहने वाली महिला के साथ गलत काम किया। विरोध करने पर सिर पर डंडे से प्रहार भी किया। आरोपित को मौके पर ही पकड़ लिया। न्यायाधीश ने अपने फैसले में लिखा कि यह सर्वविदित कानून है कि दोषी को दी जाने वाली सजा अपराध की गंभीरता के अनुरूप होनी चाहिए और धारा 376 आईपीसी के तहत दंडनीय अपराध की गंभीरता के संबंध में कोई संदेह नहीं है। यह भी निर्विवाद है कि अपराध के समय दोषी और पीड़िता के पति के बीच वित्तीय लेन-देन हो रहा था और पीड़िता/उसके परिवार तथा दोषी के बीच कोई पूर्व दुश्मनी या द्वेष नहीं था।

अब प्रगति मैदान टनल में नहीं भरेगा पानी, PWD ने कर ली पूरी तैयारी; निर्माण में खर्च होंगे 4 करोड़

नई दिल्ली : दिल्ली में प्रगति मैदान टनल में जल रिसाव की समस्या का समाधान अब लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) करेगा। इसके लिए विभाग ने टेंडर जारी कर दिया है, जिस पर लगभग 4 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस कार्य में संरचनात्मक मरम्मत, वॉटरप्रूफिंग और जल निकासी सुधार शामिल हैं। सुरंग का उद्घाटन 2019 में हुआ था, जिसके बाद से ही रिसाव की समस्या बनी हुई है। राजधानी दिल्ली में प्रगति मैदान सुरंग सड़क और उसके साथ बने अंडरपास में हो रहे जल रिसाव का स्थाई समाधान हो सकेगा। लोक निर्माण विभाग ने इसके लिए तैयारी कर ली है। बता दें कि इसके निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं, जिसके तहत इस कार्य पर तीन करोड़ 70 लख रुपये खर्च किए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग ने कहा है कि इस कार्य के स्थाई समाधान की जरूरत है। जिसके तहत प्रगति मैदान की ओर जाने वाली मुख्य सुरंग सहित इसके साथ बने चार अंडरपास में भी जल रिसाव रोकने के इंतजाम किए जाएंगे। वहीं, गुरुवार को जारी किए गए टेंडर के अनुसार, कार्य में संरचनात्मक मरम्मत, जलरोधक (वॉटरप्रूफिंग), जल निकासी सुधार और जुड़े हुए सिस्टमों को ठीक करना शामिल होगी, ताकि टनल में पानी के प्रवेश को रोककर उसकी कार्यशील विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके। टनल की संरचना में रिसाव पॉइंट्स की पहचान और उपचार किया जाएगा। इसमें साइड की दीवारें, छत के स्लैब और कंस्ट्रक्शन जॉइंट्स शामिल हैं। रिसाव बिंदुओं को सील करने के प्रस्तावित उपायों में प्रेशर ग्राउटिंग, केमिकल इंजेक्शन, क्रैक सीलिंग और विशेष रूप से कमजोर स्थानों पर वाटरप्रूफिंग मेम्ब्रेन की एप्लिकेशन शामिल है। इस कार्य की अनुमानित लागत लगभगड्ढचार ड्ढकरोड़ रुपये है। दरअसल, प्रगति मैदान टनल का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जून 2019 को उद्घाटन किया था। उसके बाद से इस सुरंग को यातायात के लिए शुरू कर दिया गया था। मगर, सुरंग सड़क सहित सभी मथुरा रोड पर बने सभी अंडरपास में जल रिसाव जारी है। इसके लिए पूर्व में उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने सख्त निर्देश जारी किए थे और कंपनी पर कार्रवाई करने की लिए भी कह दिया था। इसके बाद निर्माण कार्य करने वाली एलएंडटी कंपनी ने स्वयं सड़क में पानी रिसाव को लेकर इंतजाम किए हैं। जिसके बाद से रिसाव कम हुआ है। लेकिन विभाग का मानना है कि यह स्थाई हल नहीं है इसके लिए पीडब्ल्यूडी (ढहऊ) अब अपने तौर पर काम करेगा। सुरंग सड़क इंडिया गेट की ओर से शुरू होकर रिंग रोड पर निकलती है, इससे मध्य दिल्ली से यमुनापार जाने-आने वाले यातायात को लाभ मिलता है।

'हवा शोधक पर जीएसटी घटाने से मुश्किल होगी', दिल्ली HC की चिंता और सवाल पर केंद्र का जवाब

नई दिल्ली : दिल्ली हाईकोर्ट में एयर प्यूरीफायर पर 18% जीएसटी को 5% करने की याचिका पर केंद्र सरकार ने शुक्रवार को विरोध जताया। सरकार ने कहा कि जीएसटी दरें परिषद की प्रक्रिया से तय होती हैं, इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने प्रदूषण की गंभीर स्थिति का हवाला देते हुए पूछा कि आम आदमी के लिए प्यूरीफायर सुलभ बनाने हेतु जीएसटी क्यों नहीं कम की जाती। केंद्र ने विस्तृत जवाब के लिए समय मांगा। एयर प्यूरीफायर पर लगने वाले 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को पांच प्रतिशत करने की मांग वाली याचिका का शुक्रवार को केंद्र सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट में विरोध किया। न्यायमूर्ति अमित महाजन व न्यायमूर्ति विनोद कुमार की पीठ के समक्ष केंद्र सरकार ने कहा कि मामले की उच्चस्तरीय जांच की जा रही है, लेकिन सोच-समझकर जवाब देने के लिए और समय की जरूरत है। जीएसटी परिषद की व्यवस्था को नहीं कर सकते नजरअंदाज केंद्र की तरफ से एडिशनल सालिसिटर जनरल (एएसजी) एन वेंकटरमन ने कहा कि अगर इस मामले में जीएसटी परिषद की व्यवस्था को नजरअंदाज किया जाता है, तो यह एक मुश्किल स्थिति उत्पन्न होगी और इससे सही प्रक्रिया को फालो किए बिना और जीएसटी में छूट मांगी जा सकती है। पीठ ने पूछा कि अदालत की चिंता दिल्ली और आसपास के इलाकों की स्थिति को देखते हुए थी। अदालत ने कहा कि अभी एक एयर प्यूरीफायर की कीमत 10-15 हजार है। पीठ ने सवाल किया कि जीएसटी को एक सही लेवल पर क्यों नहीं लाया जाता ताकि एक आम आदमी भी एयर प्यूरीफायर खरीद सके?

दिल्ली में ईको वैन चोर गिरोह का भंडाफोड़, गिरोह के सरगना समेत दो गिरफ्तार; तीन वैन बरामद

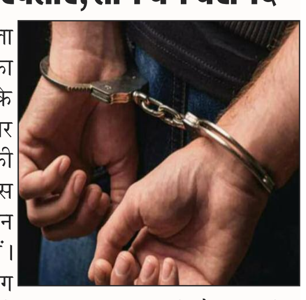

बाहरी दिल्ली : दिल्ली के कंझावला में ईको वैन चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश हुआ है। पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चोरी की तीन ईको वैन बरामद की हैं। पुलिस का दावा है कि इस कार्रवाई से वाहन चोरी के छह मामले सुलझ गए हैं। आरोपी चोरी के बाद वैन को पार्किंग में छिपा देते थे और बाद में बेच देते थे। बाहरी दिल्ली। ईको वैन की चोरी कर पार्किंग में छिपाने, फिर मामला शांत होने पर ग्राहकों की तलाश कर इसे बेचने वाले गिरोह का कंझावला थाना पुलिस ने पदार्फाश किया है। इस गिरोह के सरगना समेत दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के तीन ईको वैन बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से वाहन चोरी के कुल छह मामले सुलझाने का पुलिस दावा कर रही है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि आठ दिसंबर को कंझावला थाना क्षेत्र में एक ईको वैन चोरी होने का मामला दर्ज किया गया था। इसके अगले दिन ही नौ दिसंबर को अलग-अलग इलाकों से दो और ईको चोरी होने की शिकायतें सामने आईं। पीड़ितों के बयानों के आधार पर कंझावला थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कांझावला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजीव मलिक के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई। टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिर के आधार पर सुल्तानपुरी इलाके से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान तालिब खान और मोहम्मद अख्तर उर्फ इल्ला के रूप में हुई। गिरफ्तारी के समय आरोपितों के पास से एक ईको कार बरामद हुई, जो रनहोला थाना क्षेत्र से चोरी पाई गई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कंझावला क्षेत्र में हुई अन्य वाहन चोरी की वारदातों में भी अपनी संलिप्तता कबूल की। उनकी निशानदेही पर दो और ईको बरामद की गईं, जो राज पार्क और तिलक नगर थाना क्षेत्रों से संबंधित थीं। जांच में पता चला कि इस गिरोह में लक्ष्मी नारायण नामक एक अन्य आरोपित भी शामिल है, जिसकी तलाश जारी है। आरोपित केवल ईको को निशाना बनाते थे और चोरी के बाद उन्हें दूसरे थाना क्षेत्रों की पार्किंग में खड़ा कर देते थे, ताकि मामला शांत होने के बाद वाहन को ठिकाने लगाया जा सके। आरोपित तालिब खान पहले 18 और मोहम्मद अख्तर 15 वाहन चोरी के मामलों में संलिप्त रह चुके हैं और दोनों सुल्तानपुरी थाने के हिस्ट्रीशीटर हैं। पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

दिल्ली-ठउफमें सस्ता होगा एयर प्यूरीफायर? दिल्ली ल्ठउ ने केंद्र से 10 दिन में मांगा जवाब

नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी कम करने की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को 10 दिनों के अंदर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह निर्देश राजधानी में खराब हवा की क्वालिटी को देखते हुए दिया है। याचिका में दिल्ली में प्रदूषण के स्तर को देखते हुए जीएसटी कम करने की मांग की गई है। दिल्ली हाई कोर्ट में शुक्रवार को प्यूरीफायर पर जीएसटी कम करने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने राजधानी में लगातार खराब स्थिति में चल रही हवा पर नाराजगी जताई। दिल्ली हाईकोर्ट ने हवा की क्वालिटी को देखते हुए एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी कम करने की याचिका पर केंद्र सरकार को 10 दिनों के अंदर डिटेल में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। जस्टिस विकास महाजन और विनोद कुमार की वेकेशन बेंच ने केंद्र सरकार को याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए 10 दिन का समय दिया है। साथ ही इस मामले की अगली सुनवाई 9 जनवरी को तय की। जवाब फाइल करने के लिए मांगा समय केंद्र सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि जीएसटी (ञ्जश्वळ) काउंसिल की मीटिंग सिर्फ फिजिकली होनी है और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग बुलाना मुमकिन नहीं है। केंद्र की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एन वेंकटरमन ने डिटेल में जवाब फाइल करने के लिए समय मांगा है। कोर्ट एक पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (ढक्ख) पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें केंद्र सरकार को एयर प्यूरीफायर को "मेडिकल डिवाइस" की कैटेगरी में रखने और गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (ञ्जश्वळ) को घटाकर पांच प्रतिशत के स्लैब में लाने के निर्देश दिए थे। फिलहाल एयर प्यूरीफायर पर 18 फीसदी टैक्स लगता है। वकील कपिल मदान की याचिका में कहा गया है कि दिल्ली में गंभीर एयर पॉल्यूशन की वजह से "बहुत ज्यादा इमरजेंसी संकट" को देखते हुए प्यूरिफायर को लग्जरी आइटम नहीं माना जा सकता।

वीर बाल दिवस पर 20 बच्चों को मिला पुरस्कार, उपलब्धियों पर राष्ट्रपति मुर्मू ने बांधी तारीफ

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 20 बच्चों को राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया। बिहार के वैभव सूर्यवंशी (क्रिकेट) और पंजाब के श्रवण सिंह (बहादुरी) पुरस्कृत हुए। वैभव ने विजय हजारे ट्रॉफी में 190 रन बनाए और लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बने। श्रवण सिंह को ऑपरेशन सिंदूर में बहादुरी के लिए सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को विज्ञान भवन में 2025 के लिए 20 बच्चों को राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। पुरस्कार पाने वालों में बिहार के वैभव सूर्यवंशी, जो क्रिकेट की दुनिया के उभरते सितारे हैं, और पंजाब के श्रवण सिंह शामिल हैं, जिन्हें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनकी बहादुरी के लिए पहचान मिली। यह पुरस्कार हर साल सामाजिक सेवा और खेल सहित विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। वैभव ने हाल ही में बुधवार को घरेलू एक दिवसीय क्रिकेट टूनामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में 190 रनों की शानदार पारी खेलकर लिस्ट ए क्रिकेट में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पहले ही कई क्रिकेट रिकॉर्ड बनाए हैं। वह क्ढछ में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज भी हैं।उन्हें 14 साल की कम उम्र में क्रिकेट में कई नए रिकॉर्ड बनाने के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वैभव पुरस्कार लेने के लिए नई दिल्ली गए, जिसके कारण वह विजय हजारे ट्रॉफी में अपना दूसरा मैच भी नहीं खेल पाए। उन्हें आज रांची के मैदान पर बिहार टीम के लिए मणिपुर के खिलाफ खेलना था। पंजाब के श्रवण सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान असाधारण साहस दिखाया, ड्रोन हमलों के बीच भी सैनिकों की मदद की। बाराबंकी की पूजा को किसानों के लिए कृषि प्रदूषण कम करने वाली मशीन का आविष्कार करने के लिए पुरस्कार मिला। बिहार के 11 साल के कमलेश ने नदी में डूब रहे एक बच्चे को बचाते हुए अपनी जान गंवा दी; उन्हें उनकी बहादुरी के लिए मरणोपरांत पुरस्कार दिया गया। उत्तर प्रदेश के नौ साल के अजय राज ने नदी किनारे मगरमच्छ से अपने पिता की जान बचाई। हरियाणा की 17 साल की एथलीट ज्योति ने 15 से ज्यादा पदक जीते हैं। पुरस्कार देने के बाद, राष्ट्रपति ने अपने भाषण में वैभव की तारीफ की। उन्होंने कहा, "वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट की अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और प्रतिभाशाली दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कई रिकॉर्ड बनाए हैं, और मुझे विश्वास है कि आप जैसे प्रतिभाशाली बच्चे अच्छा काम करते रहेंगे। यह तो बस शुरूआत है। दूसरे बच्चे आपसे सीखेंगे और आपके उदाहरण का पालन करेंगे।"

दिल्ली में मोबाइल छीनने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, पुलिसकर्मी ने कॉलर पकड़कर उतारा; 4 चोरी के फोन बरामद

नई दिल्ली : दिल्ली के दरियागंज पुलिस स्टेशन की टीम ने दो मोटरसाइकिल सवार बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने एक राहगीर से मोबाइल फोन छीनकर भागने की कोशिश की। आरोपियों की पहचान अजमेरी गेट के मोहम्मद अब्बास और मोहम्मद रिजवान के रूप में हुई है। उनके पास से चोरी के चार मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपियों को जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर गश्त के दौरान पकड़ा।दिल्ली के दरियागंज पुलिस स्टेशन की टीम ने दो मोटरसाइकिल सवार बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने एक राहगीर से मोबाइल फोन छीनकर भागने की कोशिश की। आरोपियों की पहचान अजमेरी गेट के मोहम्मद अब्बास और मोहम्मद रिजवान के रूप में हुई है। उनके पास से चोरी के चार मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपियों को जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर गश्त के दौरान पकड़ा। दरियागंज पुलिस स्टेशन की एक टीम ने दो मोटरसाइकिल सवार बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने एक पैदल चल रहे व्यक्ति से मोबाइल फोन छीना था और भागने की कोशिश कर रहे थे। आरोपियों की पहचान अजमेरी गेट के मोहम्मद अब्बास और मोहम्मद रिजवान के रूप में हुई है, जो पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। उनके पास से चार चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस के अनुसार, 22 दिसंबर की रात को कांस्टेबल राजवीर जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर रूटीन नाइट पेट्रोलिंग ड्यूटी पर थे। रात करीब 11:00 बजे, उन्होंने एक आदमी को चिल्लाते हुए और मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्धों का पीछा करते देखा। पुलिसकर्मी ने मोटरसाइकिल को रोकने की कोशिश की, लेकिन वे तेजी से भागे और भागने की कोशिश की। पुलिसकर्मी ने पीछे बैठे व्यक्ति को कॉलर से पकड़ लिया और उसे मोटरसाइकिल से नीचे खींच लिया। हालांकि, मुख्य सवार मोटरसाइकिल लेकर मौके से भागने में कामयाब रहा। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से तीन चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ के दौरान, आरोपी अब्बास ने कबूल किया कि उसने बरामद मोबाइल फोन कश्मीरी गेट इलाके और यमुना पार के अन्य इलाकों से छीने थे। उसने यह भी बताया कि इस घटना के दौरान छीना गया मोबाइल फोन उसके साथी रिजवान के पास था, जो उसका पड़ोसी है। उसकी जानकारी के आधार पर, रिजवान को भी अजमेरी गेट से गिरफ्तार किया गया, और पीड़ित का मोबाइल फोन उसके पास से बरामद किया गया।

साल के अलविदा और वेलकम मूड में दिल्लीवाले, राजधानी की सुरक्षा में 20 हजार जवान तैनात

दक्षिणी दिल्ली : दिल्ली में नए साल के जश्न के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। राजधानी में 20 हजार से ज्यादा जवान तैनात किए गए हैं। प्रमुख बाजारों और पर्यटन स्थलों पर पुलिस पिकेट बनाए गए हैं। दिल्ली के सभी बॉर्डर पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात हैं। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। दक्षिणी दिल्ली। जाते हुए वर्ष को अलविदा, आने वाले साल का स्वागत करने को दिल्लीवासी जश्न के मूड में आ पहुंचे हैं। राजधानी दिल्ली में यूं तो क्रिसमस ईव से जश्न की शुरूआत हो गई है। इसमें कोई विघ्न न हो, इसके लिए राजधानी की सुरक्षा में 20 हजार से ज्यादा जवानों की तैनाती की गई है। यातायात व्यवस्था संभालने के लिए ट्रैफिक पुलिसकर्मी व पैरामिलिट्री स्टाफ तैनात है। शराब पीकर गाड़ी चलाने व स्टंटबाजी करने वालों पर बुधवार शाम से निगाह रख रही थी। कनॉट प्लेस, हौज खास, इंडिया गेट जैसे संवेदनशील प्वाइंट के अलावा सभी प्रमुख बाजारों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस आयुक्त के आदेश पर हरियाणा, यूपी और राजस्थान से दिल्ली में घुसने वाले रास्तों पर अतिरिक्त पिकेट, बैरिकेड्स और क्विक रिस्पांस टीम तैनात हैं। दिल्ली के सभी जिलों के उपायुक्त स्वयं ही सुरक्षा का जायजा लेने के लिए अपने अपने क्षेत्र में निकले। पश्चिमी दिल्ली क्षेत्र में वेगास मॉल सेक्टर-14, आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 1, 2, 3 द्वारका मोड, राजौरी गार्डर में बैरिकेड लगाकर वाहनों की तलाशी ली गई। तिलकनगर, बिजनेस पार्क में भी सुरक्षा चौकसी मजबूत की गई। पूर्व दिल्ली के क्रास रिवर माल, वी3एस मॉल, मयूर विहार चर्च के आसपास सुरक्षा बढ़ाई गई। दिलशाद गार्डन में पेट्रोल बढ़ाई गई थी। क्रिसमस के मौके पर रोहिणी में बैरिकेड लगाकर वाहनों की जांच करते हुए पुलिसकर्मी। जागरण उधर करनाल बाइपास रोड, रोहिणी, बाहरी, बाहरी-उत्तरी और उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस ने सुरक्षा को लेकर कई दिन पहले से तैयारी की थी। बैरिकेड्स लगाकर चेकिंग हो रही है। सीमा क्षेत्र सिंघु, टिकरी और औचंदी सीमाओं पर चौकसी बढ़ी है। अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों से निगरानी हो रही है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि आरडब्ल्यूए, एमडब्ल्यूए समेत सामाजिक संस्थाओं के साथ पुलिस लगातार बैठकें कर रही हैं। किराएदारों के सत्यापन हो रहे हैं। रोहिणी, अवंतिका, रानीबाग समेत अन्य बाजारों व मॉल्स में पलिस के जवान मुस्तैद हैं। सुल्तानपुरी, मंगोलपुरी, बादली, नरेला, बवाना समेत अन्य जगहों पर पहले से ज्यादा पुलिस गश्त बढ़ाई है। आतंकी हमले को देखते हुए पुलिस अलर्ट नव वर्ष और क्रिसमस पर्व को लेकर लाल किला के बाहर हुए आतंकी हमले को देखते हुए लाल किले के आसपास भी पुलिसकर्मी सतर्क दिखे। यहां पीसीआर गश्त बढ़ा दी गई है और वाहनों की जांच जाती रही है।

हरियाणा के 87 शहरी निकायों में लगेंगी अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाएं, नायब सैनी ने की घोषणा

चंडीगढ़ : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक दूरदर्शी राजनेता बताया। उन्होंने कहा वाजपेयी का जीवन ईमानदारी, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन केंद्रित शासन का प्रतीक रहा। मुख्यमंत्री ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को स्मरण करते हुए कहा कि वे अपने विचारों में जितने दृढ़ थे, उतने ही अपने मूल्यों और सिद्धांतों में भी अडिग थे। मुख्यमंत्री नायव सैनी पंचकूला में राज्यस्तरीय सुशासन दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भले ही सरकारें आती-जाती रहीं, लेकिन वाजपेयी हमेशा अपने आदर्शों पर अटल रहे। सुशासन दिवस के अवसर पर एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए नायब सैनी ने कहा कि राज्य के सभी 87 शहरी स्थानीय निकायों में कम से कम एक सार्वजनिक स्थल का नामकरण अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर किया जाएगा। उनमें अटल की प्रतिमाएं भी स्थापित की जाएंगी। ताकि उनके लोकतंत्र, राष्ट्रीय एकता और पारदर्शी शासन के आदर्श समाज का मार्गदर्शन करते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सभी निकायों में एक ऐसे सामुदायिक भवन, पार्क, वाचनालय, सभागार, वृद्धाश्रम या व्यावसायिक स्थल को चिन्हित कर लिया गया है और अगले 6 माह में वाजपेयी की स्मृति में इस फैसले को लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और कार्यों से नई पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए उनके नाम पर अनेक संस्थाएं भी खोली जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी कहते थे कि सरकारें आएंगी जाएंगी, पार्टियां बनेंगी बिगड़ेंगी, मगर यह देश रहना चाहिए। इसी भाव के साथ सुशासन दिवस पर उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा में शासन अब आदेश नहीं, सेवा है। प्रक्रिया नहीं, - परिणाम है और सत्ता नहीं, उत्तरदायित्व है।

217 में से 54 प्रस्ताव पूरे, लाडो लक्ष्मी योजना से महिलाओं के सशक्तिकरण को नई दिशा मिली: सीएम सैनी

चंडीगढ़ : हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने चुनाव के दौरान जनता से लिए गए 217 प्रस्तावों में से 54 प्रस्तावों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इनमें महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव लाडो लक्ष्मी योजना भी शामिल है, जो राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। मुख्यमंत्री आज भारत की प्राचीन सभ्यता की शानदार विरासत राखीगढ़ी की पवित्र धरती पर आयोजित दूसरे राज्य स्तरीय राखीगढ़ी महोत्सव के मौके पर मौजूद जनता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चुनावी वादों को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर मौजूद महिलाओं से लाडो लक्ष्मी योजना का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की अपील करते हुए कहा कि जो महिलाएं अभी तक इस योजना से नहीं जुड़ी हैं, वे जल्द ही अपना रजिस्ट्रेशन करवा लें। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन और वेरिफि केशन प्रोसेस पूरा होने के बाद, योग्य महिलाओं को सीधे उनके बैंक अकाउंट में 2100 रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। नायब सिंह सैनी ने बताया कि इस योजना के तहत अब तक लाभार्थियों के अकाउंट में दो किश्तें जमा हो चुकी हैं और लगभग 10 लाख महिलाओं ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है।

शिक्षण संस्थानों में आवारा कुत्तों की निगरानी करेंगे प्रोफेसर और टीचर, जल्द देनी होगी रिपोर्ट

चंडीगढ़ : सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) ने हरियाणा के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को परिसर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा निदेशालय की ओर से आए आदेशों में कहा गया है कि प्रत्येक विश्वविद्यालय, कॉलेज और स्कूल में एक प्रोफेसर या शिक्षक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए, जो कुत्तों की निगरानी और जोखिम की स्थिति में स्थानीय प्रशासन या नगर निगम को सूचित करने की जिम्मेदारी निभाएगा। इसके तहत रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, हिसार, कैथल सहित अन्य जिलों के स्कूलों में खंड शिक्षा अधिकारियों को आदेश भेजे जा चुके हैं। हर स्कूल में नोडल अधिकारी का नाम, पद और मोबाइल नंबर परिसर में प्रदर्शित करना अनिवार्य किया गया है। साथ ही इस कार्य की रिपोर्ट शुक्रवार तक मांगे जाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

हसला ने जताई नाराजगी

हालांकि, इस आदेश के बाद शिक्षक संगठनों ने नाराजगी जाहिर की है। हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन (HASLA) के राज्य प्रधान सतपाल सिंधु ने कहा कि शिक्षक पहले ही शिक्षण कार्य के अतिरिक्त 20 से अधिक गैर-शैक्षणिक जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। अब कुत्तों की निगरानी जैसी व्यवस्थाएं सौंपना बिल्कुल अनुचित है।आदेश तुरंत रद्द किए जाऐं

उन्होंने कहा कि शिक्षकों की मूल भूमिका विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, न कि पशु नियंत्रण से जुड़े कार्य करना। आवारा पशुओं व कुत्तों को नियंत्रित करना नगर निगम, पशुपालन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी है, इसे शिक्षकों पर थोपना शैक्षणिक माहौल को प्रभावित करेगा। शिक्षक संगठनों ने मांग की है कि यह आदेश तुरंत रद्द किया जाए और आवारा कुत्तों के प्रबंधन का दायित्व संबंधित विभागों को ही सौंपा जाए।

हरियाणा की ज्योति को मिला राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, पीएम मोदी ने की तारीफ

सिरसा : हरियाणा की खिलाड़ी ने एक बार फिर प्रदेश का मान बढ़ाया है। सिरसा जिले के ऐलनाबाद क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय पैरा-एथलीट ज्योति को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में पूरे देश से 20 प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मान मिला, जिनमें हरियाणा की ज्योति भी शामिल थीं। पीएम मोदी ने ज्योति का हौसला बढ़ाते हुए कहा, देश आपसे और मेडल्स की उम्मीद करता है। इस मौके पर ज्योति ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनका संघर्ष उन्हें इतनी ऊंचाइयों तक ले आएगा। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मिलकर बहुत प्रेरणा मिली। अब मेरा लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के लिए और गोल्ड हासिल करना है।

सीएम से मिलने की इच्छा जाहिर की उन्होंने यह भी बताया कि हरियाणा की खेल नीति की वजह से प्रदेश के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त कर रहे हैं। उनकी इच्छा है कि जल्द ही मुख्यमंत्री से मिलकर वे अपना अनुभव साझा करें और नई पीढ़ी को प्रेरित करें।संघर्षों से सफलता तक का सफर जन्म से ही ज्योति का एक पैर छोटा है, लेकिन उन्होंने कभी इसे कमजोरी नहीं बनने दिया। सिरसा के ओढ़ां गांव में पली-बढ़ीं ज्योति ने जवाहर नवोदय विद्यालय में पढ़ाई करते हुए खेल को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। आर्टिफिशियल पैर के सहारे उन्होंने खुद को मैदान में साबित किया और लगातार मेहनत से आगे बढ़ती रहीं। ज्योति के पिता विजयपाल ड्राइवर हैं।

ज्योति की उपलब्धियां

रोहतक में राज्य स्तरीय शॉटपुट व जैवलिन में गोल्ड

राष्ट्रीय पैरा-एथलेटिक्स (गुजरात) - शॉटपुट गोल्ड, जैवलिन सिल्वर

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता (थाईलैंड 2023) - जैवलिन व शॉटपुट सिल्वर, डिस्कस ब्रॉन्ज

यमुना की जैव विविधता में गिरावट पर एनजीटी ने सुरक्षित रखा आदेश

हरियाणा : राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने यमुना नदी में स्वदेशी प्रजाति की मछलियों की तादाद में तेज गिरावट और विदेशी मछलियों के बढ़ते प्रभुत्व से संबंधित एक स्वतः संज्ञान मामले में अपना आदेश सुरक्षित रखा है। सभी पक्षों की अंतिम दलीलें सुनने के बाद अध्यक्ष जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डा. ए. सेंथिल वेल की पीठ ने मामले को आदेश के लिए सुरक्षित रखा। यह स्वतः संज्ञान मामला मई 2024 की एक समाचार रिपोर्ट से सामने आया। एक वैज्ञानिक सर्वेक्षण में यमुना में मछलियों की 126 प्रजातियों की मौजूदगी को दर्ज किया गया है। लेकिन यह स्वदेशी मछलियों की प्रजातियों में गिरावट और विदेशी मछलियों में वृद्धि को दशार्ता है। प्रयागराज ने अपने सर्वेक्षण में पाया कि प्रदूषण, नदी के प्रवाह में परिवर्तन और आवासीय क्षति ने मछली की विविधता पर गंभीर प्रभाव डाला है। जबकि यमुना के पूरे विस्तार क्षेत्र में मछलियों की कुल 126 प्रजातियों का घर है। दिल्ली के आइटीओ में सबसे कम प्रजातियों की विविधता दर्ज की गई, जिसे "सबसे प्रदूषित" स्थल के रूप में वर्णित किया, जहां घुलनशील लगभग शून्य या पहचानने योग्य स्तर से नीचे थे। अध्ययन में प्रतीकात्मक स्वदेशी प्रजातियों में महत्वपूर्ण गिरावट दिखाई गई।

हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर निर्माण में 2 साल की देरी, 2027 के बजाय 2029 में होगा पूरा

बहादुरगढ़: कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस वे (केएमपी) के साथ पलवल से सोनीपत तक बनने वाले रेल प्रोजेक्ट यानी हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर (एचओआरसी) का निर्माण अब 2027 के बजाय 2029 में पूरा होगा। इसके निर्माण में समय के साथ लागत भी लगभग दोगुनी हो गई है। शिलान्यास के दौरान जहां इस प्रोजेक्ट की लागत 5618 रुपये थी जो अब बढ़कर 11 हजार 709 करोड़ हो गई है। प्रोजेक्ट के रिवाइज कोस्ट एस्टीमेट को सीएम नायब सैनी की ओर से पिछले दिनों स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। फिलहाल यह एस्टीमेट मंजूरी के लिए रेल मंत्रालय को भेजा गया है जहां बजट की स्वीकृति का इंतजार है। इसी बीच प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य और लागत खर्च पूरा करने के लिए हरियाणा रेल अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एचआरआईडीसी) ने अब 386 करोड़ के शेयर बेचने की तैयारी की है। इस संबंध में निगम ने इक्विटी सहभागिता के लिए एक्सप्रेशन आफ इंटरेस्ट(ईओआई) जारी किया है। उधर प्रोजेक्ट के बनने वाले पुल व अन्य संरचनाओं के लिए टेंडर भी जारी किया है।

गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट की आधारशिला 27 अक्टूबर 2022 को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव और हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की उपस्थिति में रखी थी। उस समय इसके निर्माण की अवधि पांच साल रखी थी। यानी वर्ष 2027 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। यह प्रोजेक्ट भविष्य में माल परिवहन की रीढ़ बनेगा। इससे न केवल लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी, बल्कि हरियाणा और एनसीआर क्षेत्र में औद्योगिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

राष्ट्रीय महत्व के विषयों के साथ हरियाणा के जनमानस पर केंद्रित रहा शीतकालीन सत्र

चंडीगढ़ : हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि शीतकालीन सत्र कई दृष्टि से लाभकारी रहा। सत्र के दौरान प्रदेश की जनता से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई तथा 16 विधेयक पारित किये गए। चुनाव सुधार से उत्पन्न हुई स्थिति और वंदे मातरम् जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। तीन दिन में आयोजित 4 बैठकों में कुल 23 घंटे 45 मिनट कार्यवाही चली, जिसकी कार्य उत्पादकता 100 प्रतिशत से अधिक रही। सत्र के दौरान सभी 74 विधायकों ने शिरकत की, इसमें मुख्यमंत्री, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मंत्रियों की संख्या अलग से है।

18 से 22 दिसंबर तक चले सत्र के दौरान विधायकों की सक्रियता दिखाई दी। विधायकों की ओर से अध्यादेशों को निरस्त करने तथा संशोधन के नोटिस प्राप्त हुए। विपक्ष की ओर से उठाए गए प्रत्येक विषय पर किसी न किसी रूप में चर्चा की गई। सत्र का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ तथा समापन राज्यगीत और राष्ट्रगीत के साथ हुआ। विस अध्यक्ष ने बताया कि शून्यकाल की कार्यवाही तीन दिन रही जो 3 घंटे 18 मिनट चली। इस कार्यवाही में 70 सदस्यों ने हिस्सा लिया, जिनमें कांग्रेस के 33 सदस्य 94 मिनट तक बोले। भाजपा के 32 सदस्यों ने 91 मिनट तक अपनी बात रखी, इनेलो के 2 सदस्यों ने 6 मिनट तथा तीन निर्दलीय विधायकों ने 7 मिनट तक बात रखी। तीन दिन में प्रश्नकाल के दौरान 81 तारांकित प्रश्न स्वीकृत किए गए जिनमे से ड्रा की प्रक्रिया के बाद 47 प्रश्नों के मौखिक जवाब कार्यवाही के दौरान दिए गए। इनमें कांग्रेस के 22, भाजपा के 14, इनेलो के 2 तथा 2 निर्दलीय विधायकों के प्रश्न थे। वहीं, 30 अतारांकित प्रश्न स्वीकृत हुए जिनके जवाब सदन पटल पर दिए गए। कांग्रेस के 33 विधायकों की ओर से नियम 65 के तहत प्रदेश सरकार के विरुद्ध अनेक विषयों पर आधारित अविश्वास प्रस्ताव आया। इस प्रस्ताव पर 19 दिसंबर को चर्चा करवाई गई। 4 घंटे 40 मिनट चली इस चर्चा में 17 विधायकों ने भाग लिया। कांग्रेस के 8 विधायकों ने 87 मिनट तक विस्तार से अपनी बात रखी। भाजपा के 6 सदस्य 69 मिनट बोले जबकि सरकार की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह ने 109 मिनट में जवाब दिया। इनेलो के 2 सदस्य 15 मिनट बोले। इनेलो की तरफ से एक ध्यानाकर्षण सूचना को स्वीकार किया गया। प्रदेश के स्कूलों/ प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षित शिक्षकों/अनुदेशकों की कमी बारे इस नोटिस पर 18 दिसंबर को चर्चा की गई। नेता प्रतिपक्ष के रूप में भूपेंद्र हुड्डा की नियुक्ति उपरांत विधान सभा में मान्यता मिलने की सूचना भी सदन में दी गई।

संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा की ओर से 18 दिसंबर को पेश किए गए सरकारी प्रस्ताव में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में चर्चा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण के स्वीकार करने पर उसी दिन इस पर विस्तृत चर्चा करवाई।

भाजपा विधायक घनश्याम दास और योगेन्द्र राणा की ओर से नियम 84 के तहत प्रस्तुत प्रस्ताव में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् पर तथा भाजपा मुख्य सचेतक राम कुमार कश्यप और विधायक योगेन्द्र राणा की ओर से मतदाता सूची बनाने से संबंधित चल रहे चुनाव सुधारों से उत्पन्न स्थिति पर क्रमशः 19 और 22 दिसंबर को चर्चा हुई। इन चुनाव सुधारों से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के दौरान कांग्रेस ने सदन का बहिष्कार किया। इस मामले में संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा की ओर से प्रस्तुत निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। सत्र के दौरान कुल 1058 दर्शक विधान सभा देखने पहुंचे, जिनमें 588 विद्यार्थी, 201 स्पीकर गैलरी और 269 दर्शक दीर्घा में थे।

खबर एक्सप्रेस

मां के अंधविश्वास ने बेटे को बना डाला ह्यकंकाल', शरीर से खून पी गए कीड़े, तड़पकर तोड़ा दम

अंबाला: वार्ड नंबर 10 के नदी मुहल्ला में पिछले चार साल से कमरे में बंद प्रिंस ने गुरुवार के देर रात दम तोड़ दिया। 22 वर्षीय प्रिंस अंधविश्वास की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। वह चार साल से एक कमरे में जीवित कंकाल बनकर बंद था। हालत ऐसी थी कि उसकी एक-एक हड्डी गिनी जा सकती थी। शरीर में खून खत्म हो चुका था शरीर पर मांस नाममात्र ही बचा था, वह सिर्फ हड्डियों का ढांचा था, बस सांसें ही किसी तरह चल रही थीं। मां ने अपने जिगर के टुकड़े को तिल-तिल मरने के लिए छोड़ दिया था। प्रिंस के शरीर पर कोई नया जख्म नहीं था, बल्कि जख्मों ने उसके शरीर को ढांप लिया है। स्वजन जख्मों पर दवा की जगह काला तेल डाल देते थे। चार वर्षों से पड़े शरीर में कीड़े चल रहे थे। बालों में सफेद जूओं का घर था। वह नग्न अवस्था में पड़ा रहता, और शरीर पर सिर्फ एक गंदी रजाई रहती थी। प्रिंस चार साल पहले बीमार हुआ था। मां-बाप ने डॉक्टर के पास ले जाने के बजाय अंधविश्वास को चुन लिया। मां शोभा ने बेटे को एक कमरे में डाल उसकी दुनिया वहीं खत्म कर दी। पिता सतीश कुमार कपड़ा मार्केट में काम करते है। घर में छह साल की उसकी छोटी बहन है, जबकि बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। प्रिंस आवाज सुनता था, लेकिन प्रतिक्रिया देने में असक्षम। शरीर अकड़ चुका था। यह भी सामने आया है कि प्राइवेट नर्स की मदद से प्रिंस के रक्त का सैंपल लेने का प्रयास किया, लेकिन इसके लिए सिरिंज में खून नहीं आया। शुक्रवार को प्रिंस को रेस्क्यू किए जाना था। वंदे मातरम टीम को जब इसका पता चला तो वह 23 दिसंबर को उसे देखने पहुंची, लेकिन मां ने अंदर जाने से रोक दिया। काफी समझाने के बाद मोबाइल बाहर रखवाकर अंदर जाने दिया। उसके बाद जो मंजर सामने आया, उसने सभी को हिला दिया। टीम ने उसे मनुख्ता की सेवा सबतो बड़ी सोसाइटी के अस्पताल लुधियाना में भर्ती कराने की कोशिश की, लेकिन मां ने इलाज से मना कर दिया। बाद में हामी भरी और 24 दिसंबर को दोपहर दो बजे आने को कहा। टीम एंबुलेंस लेकर पहुंची तो स्वजन घर पर ताला लगाकर चले गए। संपर्क करने पर शोभा ने कहा कि उसका दिल नहीं मानता प्रिंस को अपने से दूर भेजने को। वंदेमातरम् दल की टीम ने पड़ोसियों की छत से प्रिंस की वीडियो क्लिप बनाई और पुलिस व प्रशासन के पास भेजी। 25 दिसंबर को टीम ने दोपहर बाद पड़ोसियों की मदद से घर में दस्तक दी, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई।

एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और यूनिवर्सिटी को लेकर सरकरा ने उठाया बड़ा कदम

चंडीगढ़ : हरियाणा में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी-2020 (NEB-2020) को असरदार तरीके से लागू करने को बढ़ावा देने और बेहतरीन काम करने वाले संस्थानों को सम्मानित करने के मकसद से, हरियाणा राज्य नेशनल एजुकेशन पॉलिसी-2020 इम्प्लीमेंटेशन एक्सीलेंस अवार्ड-2025 का आयोजन 29 दिसंबर, 2025 को किया जाएगा। यह सम्मान समारोह स्वर्ण जयंती भवन, सेक्टर-3, पंचकूला में होगा। इस बारे में जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा करेंगे। इस मौके पर हरियाणा की सभी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर को बुलाया गया है, जो राज्य में हायर एजुकेशन के क्षेत्र में NEB-2020 को सफलतापूर्वक लागू करने से जुड़े अपने अनुभव और उपलब्धियां शेयर करेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम का मकसद राज्य में शिक्षा की क्वालिटी को बेहतर बनाना, इनोवेशन को बढ़ावा देना और पॉलिसी के अलग-अलग नियमों - जैसे होलिस्टिक एजुकेशन, स्किल डेवलपमेंट, मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच और डिजिटल एजुकेशन - को असरदार तरीके से लागू करने पर जोर देना है। सेरेमनी के दौरान, अच्छा काम करने वाले एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और यूनिवर्सिटी को सम्मानित किया जाएगा, जिससे एजुकेशन सुधारों को और तेजी मिलने की उम्मीद है।

जब मुख्यमंत्री जींद के गांव ईंटल में अचानक रुके...गांव वालों सेसमस्याओं पर चर्चा की, बुजुर्गों का जाना हालचाल

चंडीगढ : हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज राखीगढ़ी जाते समय जींद ज़िले के गांव ईंटल में अचानक रुके और गांव वालों से सीधे बातचीत की। गांव में मुख्यमंत्री का अचानक रुकना गांव वालों के लिए एक अच्छा अनुभव रहा। गांव में मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद गांव वालों से खेती समेत लोकल मुद्दों पर चर्चा की और बुजुर्गों का हालचाल जाना। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हुक्का पी रहे गांव वालों के बीच कुछ समय बिताया। उन्होंने गांव की ज़िंदगी की सादगी और आपसी भाईचारे की भावना की तारीफ की और कहा कि गांवों की यही भावना हरियाणा की असली ताकत है। गांव वालों ने मुख्यमंत्री के साथ अपने अनुभव शेयर किए और इलाके की कुछ लोकल समस्याओं के बारे में संक्षेप में बताया, जिन्हें मुख्यमंत्री ने ध्यान से सुना और उन्हें सही कार्रवाई का भरोसा भी दिलाया। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार राज्य के पूरे विकास के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि एक ज़िम्मेदार और जवाबदेह सरकार में, भलाई की योजनाओं को अच्छे से लागू करने और जनता की समस्याओं को समय पर हल करने के लिए नागरिकों से सीधा संपर्क जरूरी है।

फरीदाबाद में विवाहिता ने किया सुसाइड, सुबह देर तक बाहर नहीं आई तो परिजनों को पता लगा

फरीदाबाद : फरीदाबाद में बीती रात को एक विवाहिता ने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह परिजन जब कमरे में गए तो सुसाइड का पता लगा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक महिला की सास ने बताया कि वह पर्वतीय कॉलोनी में परिवार के साथ रहती हैं। उनका बेटा हार्ट का पेसेंट है। तबीयत खराब होने की वजह से वह अलग कमरे में रहता है। उनकी बहु बीती रात रोज की तरह खाना खाकर सोई थी। सुबह जब वह देर तक बाहर नहीं आई तो उन्हें शक हुआ। अंदर जाकर देखा तो बहु चुन्नी के सहारे पंखे से लटकी मिली।सास ने बताया कि जब उसे नीचे उतारा तो उसकी मौत हो चुकी थी। उन्होने बताया कि उसके बेटे-बहु का कभी किसी बात को लेकर झगड़ा नहीं होता था। इसलिए आत्महत्या के कारणों का पता नहीं लग रहा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल के मॉच्युर्री में रखवा दिया है। पुलिस ने बताया शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नवजात की सौदेबाजी : 7 दिन के बच्चे को 6 लाख में बेचने की कोशिश, पांच गिरफ्तार

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले से मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां महज सात दिन के एक नवजात शिशु को 6 लाख रुपये में बेचने की कोशिश करते हुए पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शहर पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल ने खुफिया सूचना के आधार पर की। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात पश्चिम इलाके में एक होटल के पास जाल बिछाया गया। गिरोह की गतिविधियों की पुष्टि के लिए पुलिस ने एक नकली ग्राहक (डिकॉय बायर) को इस्तेमाल किया। सौदे की शुरुआती पुष्टि के तौर पर गिरोह को 20 हजार रुपये यूपीआई के जरिए दिए गए, जबकि बाकी 5.8 लाख रुपये नकद देने की बात तय हुई थी। जैसे ही डिकॉय ग्राहक ने सौदे की सूचना पुलिस को दी, टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और सभी पांच आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शंकर संभाजी मनोहर (36), रेशमा शाहाबुद्दीन शेख (35), इगतपुरी निवासी एजेंट नितिन संभाजी मनोहर (33) और शेखर गणेश जाधव (35) तथा मुंबई के मानखुर्द निवासी एजेंट आसिफ चांद खान (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गिरोह की एक अन्य सदस्य सबीना फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह मामला केवल एक नवजात तक सीमित नहीं हो सकता, बल्कि इसके पीछे शिशु तस्करी का बड़ा रैकेट सक्रिय हो सकता है, जिसमें नि:संतान दंपतियों को निशाना बनाया जाता है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, अब बच्चे की जैविक मां की पहचान की जा रही है और यह भी जांच की जा रही है कि क्या किसी अस्पताल या नर्सिंग होम की इसमें भूमिका है। बरामद नवजात को फिलहाल एक विशेष देखभाल केंद्र में सुरक्षित रखा गया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की गहराई से जांच की जा रही है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां संभव हैं।

वायु प्रदूषण बन रहा बड़ा स्वास्थ्य संकट, अस्पतालों में बढ़ी नए मरीजों की संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वायु प्रदूषण कोविड-19 महामारी के बाद सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट बन गया है। ब्रिटेन में काम करने वाले भारत के कई सीनियर डॉक्टरों ने इसको लेकर चिंता जाहिर की और दावा किया है। डॉक्टरों ने कहा कि आने वाले सालों में प्रदूषण से लोगों की सेहत और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। अगर तत्काल ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या हर साल और गंभीर होती जाएगी। पिछले 10 सालों में हृदय रोगों में बढ़ोतरी को मोटापे से जोड़ा गया, लेकिन इसमें कारों और विमानों से निकलने वाले जहरीले तत्वों की बड़ी भूमिका है। भारत सरकार की कोविड-19 एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य मनीष गौतम ने कहा कि वायु प्रदूषण पर सरकार का फोकस जरूरी है, लेकिन इसमें काफी देरी हो चुकी है। उत्तर भारत में रहने वाले लाखों लोगों में नुकसान पहले ही हो चुका है। जो इलाज हो रहा है, वह समस्या का केवल एक छोटा हिस्सा है। सिरदर्द, थकान, हल्की खांसी, गले में जलन, पाचन संबंधी दिक्कत, आंखों में सूखापन, त्वचा पर रैश और बार-बार संक्रमण जैसे शुरुआती लक्षण अक्सर मामूली समझकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, जबकि ये गंभीर बीमारियों के संकेत हो सकते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक दिसंबर में दिल्ली के अस्पतालों में सांस संबंधी मरीजों की संख्या में 20 से 30फीसदी बढ़ी है। इनमें कई युवा और पहली बार इलाज कराने वाले मरीज शामिल थे।

अभिनेत्री पर्णो मित्रा टीएमसी में शामिल, बंगाल चुनाव से पहले बीजेपी को बड़ा झटका

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव पहले ही नेताओं के एक से दूसरी पार्टी में जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुकी बंगाली अभिनेत्री पर्णो मित्रा ने पार्टी छोड़ दी। पर्णो मित्रा ने बीजेपी छोड़कर टीएमसी का दामन थाम लिया है। पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध टीवी अभिनेत्री पर्णो मित्रा ने कार्यक्रम के दौरान औपचारिक रूप से टीएमसी की सदस्यता ग्रहण कर ली। टीएमसी में पहुंचते ही पर्णो ने अपने बीजेपी में शामिल होने के फैसले को गलती बताया है। उन्होंने कहा कि अब उन गलतियों को सुधारने का समय है। बंगाली अभिनेत्री पर्णो ने सीएम ममता बनर्जी की अगुवाई में टीएमसी शामिल करने को अपने लिए बड़ा मौका भी बताया। उन्होंने बीजेपी को लेकर कहा कि छह साल पहले मैं बीजेपी में शामिल हुई थी। वहां चीजें ठीक नहीं थीं। गौरतलब है कि पर्णो मित्रा बंगाल में टीवी का लोकप्रिय चेहरा हैं। बीजेपी ने 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव में पर्णो को उम्मीदवार भी बनाया था। हालांकि, पर्णो मित्रा तब चुनाव हार गई थीं। चुनाव प्रचार के दौरान उनके काफिले पर हमले की घटना भी हुई थी, जिसके बाद सियासत गर्मा गई थी।

सेंगर को जमानत के विरोध में कोर्ट के बाहर महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के बाहर उन्नाव रेप केस में दोषी पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को मिली सशर्त जमानत के खिलाफ महिलाओं और अन्य प्रदर्शनकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्नाव रेप पीड़िता के परिवार और महिला कार्यकर्ताओं ने कोर्ट परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि वहां विरोध प्रदर्शन गैर-कानूनी है और प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर जाने की सलाह दी। पीड़िता की मां ने जमानत को अवैध बताकर कहा कि वह न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएगी। उन्होंने कहा कि सेंगर की जमानत तुरंत खारिज होनी चाहिए और यदि न्याय नहीं मिला तो वे अन्य देशों में भी कानूनी उपाय ढूंढेंगी। महिला कार्यकर्ता योगिता भयाना ने बताया कि वे शांतिपूर्वक न्याय की मांग लेकर आई हैं और अगर याचिका पर सुनवाई नहीं हुई, तब विरोध किया जाएगा। कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने हाईकोर्ट के फैसले की आलोचना कर इस महिलाओं के आत्मविश्वास को कम करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सेंगर को तकनीकी कारणों से क्लीन चिट देना देश में गलत मिसाल साबित करता है। दरअसल दिल्ली हाईकोर्ट ने सेंगर को जमानत दी है, जबकि वह फिलहाल नाबालिग से रेप और पिता की हत्या मामले में जेल में हैं। जमानत शर्तों में 15 लाख रुपये का बेल बॉन्ड जमा करना शामिल है। सेंगर को पीड़िता के 5 किलोमीटर के इलाके में नहीं जाने और परिवार से संपर्क न करने के निर्देश भी दिए गए हैं। पिता की हत्या के मामले में उनका जेल में ही रहना तय है और दिल्ली हाईकोर्ट में अपील लंबित है।

हाईकोर्ट ने कहा- भारत में भी बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के उपायों पर करें विचार

चैन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और इंटरनेट पर अश्लील सामग्री की आसानी से उपलब्धता को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि वह ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार करे। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन और न्यायमूर्ति के. के. रामकृष्णन की पीठ ने माना कि वर्तमान डिजिटल युग में बच्चे बेहद संवेदनशील और असुरक्षित स्थिति में हैं, जिन्हें इंटरनेट के खतरों से बचाना अनिवार्य है।

यह मामला वर्ष 2018 में मदुरै निवासी एस. विजयकुमार द्वारा दायर एक जनहित याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को पैरेंटल कंट्रोल या पैरेंटल विंडो जैसी सेवाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएं, ताकि बच्चों को पोर्नोग्राफिक और आपत्तिजनक सामग्री तक पहुंचने से रोका जा सके। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने ऑस्ट्रेलिया के उस हालिया कानून का उदाहरण दिया, जिसमें 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया गया है। अदालत ने इस तर्क से सहमति जताते हुए कहा कि भारत को भी इस दिशा में ठोस विधायी कदम उठाने की आवश्यकता हो सकती है।

अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि संबंधित प्राधिकरणों और बाल अधिकार संरक्षण आयोगों द्वारा पेश किए गए हलफनामे यह विश्वास दिलाने में विफल रहे हैं कि वे अपनी वैधानिक जिम्मेदारियों का पूरी तरह निर्वहन कर रहे हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि केवल कुछ वेबसाइटों को ब्लॉक कर देना ही पर्याप्त नहीं है, क्योंकि बाल यौन शोषण और अश्लील सामग्री ऑनलाइन जगत में अलग-अलग रूपों में मौजूद रहती है। इस पर प्रभावी नियंत्रण तभी संभव है जब यूजर-स्तर पर पैरेंटल कंट्रोल ऐप्स उपलब्ध हों और अभिभावकों को इसके प्रति जागरूक किया जाए। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि स्कूलों में चलाए जा रहे वर्तमान जागरूकता कार्यक्रम नाकाफी हैं। पीठ ने केंद्र और राज्य स्तर के बाल अधिकार संरक्षण आयोगों को निर्देश दिया कि वे समाज के विभिन्न वर्गों में बाल अधिकारों और ऑनलाइन सुरक्षा उपायों को लेकर एक ठोस कार्ययोजना तैयार करें। अदालत ने अंत में टिप्पणी की कि हालांकि किसी सामग्री तक पहुंचना व्यक्ति का चुनाव हो सकता है, लेकिन बच्चों के मामले में समाज और सरकार की जिम्मेदारी कहीं अधिक बढ़ जाती है। इसी के साथ अदालत ने उम्मीद जताई कि भविष्य में इस दिशा में सख्त कानून और व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।

पावर सेंटर 10 सर्कुलर रोड से लालू परिवार की विदाई, रातों रात खाली हुआ राबड़ी का आवास

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी सरकारी आवास और बिहार की सियासत में करीब दो दशकों तक सत्ता और विपक्ष की धुरी रहा 10 सर्कुलर रोड बंगला अब खाली होने होने लगा है। राबड़ी देवी को राज्य सरकार द्वारा जारी नोटिस के बाद अब वहां से सामान शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। गुरुवार देर रात इस आवास से पिक-अप वैन के जरिए सामान बाहर निकलते देखा गया, जिसने राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह समाना किस स्थान पर भेजा गया है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, देर रात तक पिकअप वाहनों की आवाजाही जारी रही। नई सरकार के गठन के बाद भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को एक महीने पहले बंगला खाली करने का निर्देश दिया था। 2006 से 10 सर्कुलर आवास में रह रहे लालू परिवार के लिए सरकार ने हार्डिंग रोड में नया आवास आवंटित किया है। हालांकि, तब आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने इस आदेश का कड़ा विरोध किया था और इसे राजनीतिक विद्वेष बताया था। लेकिन अब सामान की शिफ्टिंग से स्पष्ट हो गया है कि परिवार ने बंगला खाली करने का मन बना लिया है। साल 2005 में सत्ता गंवाने के बाद लालू-राबड़ी परिवार 1 अणे मार्ग से निकलकर 10 सर्कुलर रोड में शिफ्ट हुआ था। तब से यह आवास राजद की हर छोटी-बड़ी गतिविधि का गवाह रहा है। इधर, पटना के महुआबाग इलाके में लालू-राबड़ी परिवार का निजी बंगला भी लगभग तैयार है। कहा जा रहा है कि भविष्य में लालू परिवार उसी निजी आवास में शिफ्ट हो सकता है।

महाराणा प्रताप पर टिप्पणी के बाद पंजाब के राज्यपाल को मिली जान से मारने की धमकी

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को जान से मारने की धमकी मिली है। सोशल मीडिया पर दी गई इस धमकी का कुछ लोग समर्थन करते भी नजर आ रहे हैं। ये धमकी क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत के नाम से की गई एक पोस्ट में कटारिया के खिलाफ अपमानजनक और हिंसक भाषा का इस्तेमाल किया गया है।

यह धमकी तीन दिन पहले उदयपुर जिले के गोगुंदा क्षेत्र में महाराणा प्रताप को लेकर दिए गए कटारिया के बयान के बाद सामने आई है। बता दें कि 22 दिसंबर को गोगुंदा में एक कार्यक्रम के दौरान कटारिया ने महाराणा प्रताप और उनके शासन को लेकर बयान दिया था, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पुलिस ने साफ किया है कि सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की धमकी या भड़काऊ बयानबाजी को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कटारिया के इस बयान को लेकर विभिन्न संगठनों और लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग धमकी भरी पोस्ट का समर्थन करते भी नजर आए, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। हालांकि, अब तक राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की ओर से इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई है। कटारिया ने भी इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। इस बीच उदयपुर के पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है और सोशल मीडिया पोस्ट की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पोस्ट किस अकाउंट से और किन हालात में की गई थी, साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि कहीं इसके पीछे किसी साजिश या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का इरादा तो नहीं है।

राहुल गांधी के विदेश दौरों पर भारतीय दूतावास के अधिकारी रखते हैं नजर

-ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा का दावा

तिरुवंतमपुरम (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने दावा किया है कि राहुल गांधी के विदेश दौरों के दौरान भारतीय दूतावास के अधिकारी उन पर नजर रखते हैं और कई बार विदेशी नेताओं से उन्हें न मिलने को कहा जाता है। पित्रोदा ने राहुल गांधी के दौरे को लेकर यह दावा किया है। इसमें उन्होंने कहा कि मैने खुद देखा है कि राहुल गांधी के होटल, मीटिंग्स और एयरपोर्ट पर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। हालांकि इसके सबूत नहीं हैं, लेकिन अनुभव के आधार पर यह बात कह रहा हूं।

वहीं सैम पित्रोदा ने बीजेपी के राहुल गांधी पर देश की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। जर्मनी दौरे की टाइमिंग पर उन्होंने कहा कि विदेश यात्राएं अचानक तय नहीं होतीं, बल्कि महीनों पहले से उनका कार्यक्रम बनता है। राहुल गांधी पर विदेश जाकर भारत की छवि खराब करने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि सच तो सच होता है, चाहे वह भारत में बोला जाए या विदेश में। डबल स्टैंडर्ड नहीं हो सकते।

जॉर्ज सोरोस और विदेशी फंडिंग से जुड़े आरोपों पर पित्रोदा ने कहा कि ये पूरी तरह बेबुनियाद हैं। राहुल गांधी या कांग्रेस का किसी भी तरह के एंटी-इंडिया नेटवर्क से कोई संबंध नहीं है। सब बकवास है। हम यूनिवर्सिटी जाते हैं, पब्लिक स्पेस में बात करते हैं। कौन किससे जुड़ा है, हमें न पता है और न हमें फर्क पड़ता है। क्रिसमस के दौरान चर्चों पर हमलों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की हिंसा की समाज में कोई जगह नहीं है। ऐसी घटनाएं भारत की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं और यह नफरत का नतीजा है।

सैम पित्रोदा ने कहा कि मनरेगा की जगह लाए गए जी-राम-जी कानून में राम के नाम का इस्तेमाल क्यों किया गया। महात्मा गांधी के नाम से योजना चल रही थी, उसमें क्या दिक्कत थी? प्रधानमंत्री किसी एक समुदाय के नहीं, पूरे देश के होते हैं। धर्म निजी आस्था हो सकती है, लेकिन शासन की प्राथमिकता नहीं। लोकतंत्र और चुनाव प्रणाली पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि भारत समेत कई देशों में संस्थाएं दबाव में हैं। ईवीएम, वोटर लिस्ट और चुनाव आयोग को लेकर भरोसे की कमी है। दुनिया के कई देशों हंगरी, तुर्की, अमेरिका और भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं दबाव में हैं।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा को लेकर पित्रोदा ने कहा कि भारत को सबसे पहले अपने पड़ोस पर ध्यान देना चाहिए। हिंसा कहीं भी हो, उसका कोई औचित्य नहीं है। भारत अगर 'विश्व गुरु' बनना चाहता है तो पहले अपने पड़ोस बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान में स्थिरता और शांति के लिए नेतृत्व दिखाना होगा।

अरावली पहाड़ी मामला: जयराम रमेश ने उठाए सवाल कहा- ये केवल विनाशकारी कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने अरावली पर्वतमाला को लेकर मोदी सरकार द्वारा दी गई नई परिभाषा पर कड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने इसे न केवल विशेषज्ञों की राय के विरुद्ध, बल्कि खतरनाक और पर्यावरण के लिए विनाशकारी बताया है।

जयराम रमेश ने फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) के आधिकारिक और प्रामाणिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि अरावली को ऊँचाई के आधार पर परिभाषित करना पूरी तरह से अवैज्ञानिक और संदिग्ध है। एफएसआई के अनुसार, 20 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली अरावली पहाड़ियों में से केवल 8.7 प्रतिशत ही 100 मीटर से अधिक ऊँची हैं। वहीं, यदि एफएसआई द्वारा चिन्हित सभी अरावली पहाड़ियों को शामिल किया जाए, तो उनमें से 1 प्रतिशत से भी कम 100 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली हैं।

एफएसआई का स्पष्ट और संतुलित मत है कि ऊँचाई के आधार पर सीमाएँ तय करना उचित नहीं है, और अरावली की पूरी पर्वतमाल चाहे उसकी ऊँचाई कुछ भी हो उसको संरक्षण मिलना चाहिए। लेकिन सरकार की नई परिभाषा इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दे रही है।

क्षेत्रफल के लिहाज़ से इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि सरकार की नई परिभाषा लागू होने पर अरावली का 90 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा संरक्षण से बाहर हो जाएगा। इससे यह क्षेत्र खनन, रियल एस्टेट और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए खोल दिया जाएगा, जो पहले से ही गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त इस नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर और भी गहरा आघात पहुँचाएगा।

जयराम रमेश ने इसे मोदी सरकार द्वारा पारिस्थितिक संतुलन पर सुनियोजित हमले का एक और उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रदूषण मानकों को कमजोर करने, पर्यावरण और वन कानूनों को शिथिल करने, तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) और पर्यावरणीय शासन से जुड़ी संस्थाओं को निष्प्रभावी करने की उसी नीति का हिस्सा है, जो पिछले कुछ वर्षों में देखने को मिली है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री द्वारा वैश्विक मंचों पर पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन को लेकर दिए जाने वाले भाषणों और देश के भीतर ज़मीन पर किए जा रहे कार्यों के बीच कोई तालमेल नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरित नेतृत्व की बात करने वाली सरकार, देश के भीतर प्राकृतिक धरोहरों को कमजोर करने वाले फैसले ले रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली पर्वतमाला न केवल उत्तर भारत के भूजल संरक्षण, वायु शुद्धिकरण और जलवायु संतुलन के लिए अहम है, बल्कि यह दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र को मरुस्थलीकरण से बचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में संरक्षण को सीमित करना दीर्घकालिक पर्यावरणीय संकट को जन्म दे सकता है।

अल्पसंख्यकों पर हमले अस्वीकार्य हैं, दंगाइयों पर अंकुश लगाना जरुरी: सीएम स्टालिन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा है कि अल्पसंख्यकों पर हमले अस्वीकार्य हैं और दंगाइयों पर अंकुश लगाना एक साझा व जरुरी कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए। मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) महासचिव वाइको और एक्टर से नेता बने विजय के नेतृत्व वाले तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने भी ईसाई पूजा स्थलों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की निंदा की। स्टालिन ने कहा कि बहुसंख्यक लोगों की सच्ची ताकत और चरित्र अल्पसंख्यकों को भयमुक्त जीवन जीने देने में निहित है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि जब कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूह बहुसंख्यक होने के नाम पर हमले व दंगे करते हैं, वह भी ऐसे समय में जब पीएम मोदी क्रिसमस समारोह में भाग ले रहे हैं। यह राष्ट्र को एक चिंताजनक संदेश देता है। सीएम स्टालिन ने कहा कि मणिपुर के बाद, जबलपुर, रायपुर और अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों पर हमलों की खबरें सद्भाव को महत्व देने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए अस्वीकार्य हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए समाज को बांटने वाले दंगाइयों पर अंकुश लगाना एक साझा और जरुरी कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए।

सीएम स्टालिन ने केंद्र में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों में 74 फीसदी की वृद्धि का दावा करते हुए कहा कि यह 'गंभीर खतरे' का संकेत हैं। वाइको ने रायपुर और जबलपुर समेत कई स्थानों पर गिरजाघरों व ईसाइयों को निशाना बनाने वाली 'हिंदुत्ववादी भीड़' की कड़ी निंदा की और संबंधित राज्य सरकारों से हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। टीवीके के प्रचार महासचिव के जी अरुणराज ने गिरजाघरों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हुए पीएम मोदी से इन कृत्यों की निंदा करने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

दिल्ली में एक्यूआई फिर 'बेहद खराब' श्रेणी में, जहांगीरपुरी और आनंद विहार सबसे प्रदूषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में दो दिन मामूली सुधार रहने के बाद शुक्रवार को वायु गुणवत्ता एक बार फिर 'बेहद खराब' श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली का एक्यूआई 310 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबक दिल्ली के 40 निगरानी केंद्रों में से कम से कम 24 केन्द्रों पर वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' दर्ज की गई। इसमें जहांगीरपुरी और आनंद विहार 395 एक्यूआई के साथ सबसे प्रदूषित इलाके रहे। वहीं लोधी रोड पर एक्यूआई 185 दर्ज किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। पिछले दो दिनों में दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी हुई थी। 'वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली' ने अगले छह दिनों तक वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में बने रहने का अनुमान लगाया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक वर्तमान में हवा की औसत गति 10 किलोमीटर प्रति घंटे से कम है, जो प्रदूषक तत्वों के छितराव के लिए प्रतिकूल है। सीपीसीबी के मानकों के मुताबिक 0 से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51-100 को संतोषजनक, 101-200 को मध्यम, 201-300 को खराब, 301-400 को बेहद खराब और 401-500 को गंभीर माना जाता है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान छह से आठ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

कोहरे ने धीमी की ट्रेनों की रफ्तार

दिल्ली में घने कोहरे के कारण 50 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जिससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी हो रही है। राजधानी और हमसफर एक्सप्रेस जैसी अहम ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से ट्रेनों के संचालन में दिक्कत आ रही है। रेलवे प्रशासन यात्रियों को अपडेटेड जानकारी प्राप्त करने की सलाह दे रहा है।

दो घंटे से अधिक लेट चलने वाली ट्रेनों में रक्सौल-आनंद विहार टर्मिनल सद्भावना एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, मुजफ्फरपुर-आनंद विहार टर्मिनल सप्त क्रांति एक्सप्रेस सवा दो घंटे, बलिया-आनंद विहार टर्मिनल सुपरफास्ट विशेष सवा चार घंटे, बनारस-आनंद विहार टर्मिनल गरीब रथ एक्सप्रेस, सवा दो घंटे, रीवा-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस छह घंटे, मधुपुर-आनंद विहार टर्मिनल बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर एक्सप्रेस पौने सात घंटे, हल्दिया-आनंद विहार टर्मिनल साप्ताहिक सुपरफास्ट छह घंटे, दानापुर-आनंद विहार टर्मिनल जनसाधारण एक्सप्रेस छह घंटे, बनारस-नई दिल्ली काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, बलिदानी कैप्टन तुषार महाजन ऊधमपुर-कोटा एक्सप्रेस सवा तीन घंटे, लखनऊ-नई दिल्ली एसी एक्सप्रेस सवा दो घंटे, कानपुर-नई दिल्ली श्रम शक्ति एक्सप्रेस चार घंटे, राजगीर-नई दिल्ली श्रमजीवी एक्सप्रेस सवा पांच घंटे, दरभंगा-नई दिल्ली संपर्क क्रांति एक्सप्रेस सवा पांच घंटे, हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, प्रयागराज-नई दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, गोरखपुर-बठिंडा गोरखधाम एक्सप्रेस साढ़े पांच घंटे, प्रयागराज-नई दिल्ली प्रयागराज एक्सप्रेस चार घंटे लेट चल रही हैं।

वहीं सीएसएमटी-अमृतसर एक्सप्रेस आठ घंटे, राजेंद्र नगर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस सवा चार घंटे, ललित ग्राम-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस सवा चार घंटे, बनारस-नई दिल्ली शिव गंगा एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, दरभंगा-नई दिल्ली हमसफर विशेष आठ घंटे, डिब्रुगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रे ढाई घंटे, सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस सवा दो घंटे, बनारस-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस सवा तीन घंटे, बरौनी-नई दिल्ली हमसफर विशेष चार घंटे, रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस तीन घंटे, हावड़ा-नई दिल्ली कोलकाता राजधानी साढ़े चार घंटे, वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस सवा छह घंटे, लखनऊ-नई दिल्ली तेजस एक्सप्रेस आठ घंटे, राजेंद्र नगर-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस छह घंटे, लोकमान्य तिलक टर्मिनल मुंबई-हरिद्वार एसी एक्सप्रेस सात घंटे.

प्रयागराज-भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस पौने चार घंटे, मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़-पुरानी दिल्ली पद्मावत एक्सप्रेस चार घंटे, बलुरघाट-बठिंडा फरक्का एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, प्रयागराज-चंडीगढ़ ऊंचाहार एक्सप्रेस साढ़े सात घंटे, कामख्या-पुरानी दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल, पौने आठ घंटे, आजमगढ़-पुरानी दिल्ली कैफियत एक्सप्रेस सवा छह घंटे, कटिहार-पुरानी दिल्ली चंपारण एक्सप्रेस ट्रेनें लेट चली रही हैं।

वहीं सवा नौ घंटे, देरी से रवाना होने वाली ट्रेनों में नई दिल्ली-अमृतसर शान-ए-पंजाब एक्सप्रे सवा चार घंटे, नई दिल्ली-सोगरिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस पौने पांच घंटे नई दिल्ली-राजगीर श्रमजीवी एक्सप्रेस एक घंटे, नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष पांच घंटे लेट चल रही हैं।

सलमान खान के साथ नजर आए एमएस धोनी और एपी ढिल्लो

बॉलीवुड, क्रिकेट और म्यूजिक- तीनों दुनियाओं के दिग्गज जब एक ही फ्रेम में नजर आ जाएं, तो फैंस का एक्साइटेड होना लाजमी है। कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जब हाल ही में एक थ्रोबैक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई, जिसमें सलमान खान, महेंद्र सिंह धोनी और मशहूर सिंगर एपी ढिल्लों एक साथ नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर सलमान खान के पनवेल फार्महाउस की है और इसे उनके जीजा अतुल अग्निहोत्री ने शेयर किया है। सलमान, धोनी और एपी की थ्रोबैक तस्वीर यह खास तस्वीर सलमान खान के 60वें जन्मदिन से पहले शेयर की गई, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त हलचल मचा दी। फोटो में तीनों सितारे पूरी तरह कीचड़ से सने हुए दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उनके चेहरे पर मुस्कान और बॉन्डिंग साफ झलक रही है। बताया जा रहा है कि यह तस्वीर एक ऑल-टेरेन व्हीकल (ATV) राइड के बाद की है, जिसमें तीनों ने फार्महाउस में जमकर मस्ती करने के बाद एक साथ पोज दिया। तस्वीर में सलमान खान दाईं ओर खड़े नजर आते हैं, जबकि बाईं ओर भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में शुमार एमएस धोनी दिखाई देते हैं। बीच में पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री के सुपरस्टार एपी ढिल्लों हैं। सलमान के कई दोस्त अब तक आ चुके नजर पनवेल स्थित सलमान खान का फार्महाउस लंबे समय से उनके करीबी दोस्तों और परिवार के लिए सुकून भरी जगह रहा है। यहां अक्सर निजी गेट-टुगेदर, बर्थडे सेलिब्रेशन और दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने की तस्वीरें सामने आती रहती हैं। हालांकि, इस बार की खासियत यह रही कि इस फ्रेम में सिनेमा, खेल और म्यूजिक- तीनों फील्ड के बड़े नाम एक साथ नजर आए। फैंस ने तस्वीर पर लुटाया प्यार अतुल अग्निहोत्री द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर की गई इस तस्वीर पर फैंस ने जमकर प्यार लुटाया। कई यूजर्स ने इन तीनों दिग्गजों को देखने के बाद कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा, 'सलमान खान और एमएस धोनी एक साथ- ये फ्रेम ही इतिहास है।' वहीं दूसरे फैन ने कहा, 'कीचड़ में भी भाईजान, माही और एपी ढिल्लों सुपरस्टार ही लग रहे हैं।'

'मिजार्पुरः द फिल्म' की शूटिंग जोरों पर, अली फजल ने राजस्थान को कहा 'दिल से शुक्रिया'

लोकप्रिय वेब सीरीज 'मिजार्पुर' ने पहले सीजन से ही दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। यही वजह है कि दर्शकों ने इसके सारे सीजन को दिल से प्यार दिया है। जल्द ही 'मिजार्पुरः द फिल्म' दर्शकों के सामने दस्तक देगी। इसकी शूटिंग राजस्थान में चल रही है। अभिनेता अली फजल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे अपने किरदार गुड्डू भैया के किरदार में चलते नजर आ रहे हैं। पोस्ट कर उन्होंने लिखा, "'मिजार्पुरः द फिल्म' की शूटिंग इस समय जारी है और राजस्थान का शेड्यूल चल रहा है। खास तौर पर जैसलमेर और जोधपुर के लोगों का दिल से धन्यवाद। आपने हमें बहुत प्यार और अपनापन दिया। साथ ही परिवार जैसा समझा।" उन्होंने आगे लिखा, "उन सभी होटलों का भी धन्यवाद जिन्होंने हमें घर जैसा महसूस कराया जब हम अपने घर से दूर मेहनत कर रहे थे। खम्मा घणी।" पोस्ट देखकर फैंस के मन में उत्साह की लहर दौड़ गई। वे अब इस प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि इस सीरीज के पहले सीजन ने फैंस को दीवाना बना दिया था। कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), गुड्डू पंडित (अली फजल) और मुन्ना त्रिपाठी (दिव्येंदु) जैसे किरदारों ने फैंस के दिलों में खास पहचान बनाई थी, जो आज भी उस तरह बरकरार है। बताया जा रहा है कि 'मिजार्पुर' फिल्म में दमदार एक्शन और गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। वेब सीरीज 'मिजार्पुर' का पहला सीजन 16 नवंबर, 2018 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। सीरीज की दीवानियत को देखते हुए मेकर्स ने इसका दूसरा सीजन 23 अक्टूबर, 2020 को स्ट्रीम किया था और 5 जुलाई, 2024 को अमेजन प्राइम वीडियो पर इसका तीसरा पार्ट रिलीज किया गया था।

'धुरंधर' में अपने भयानक किरदार को लेकर क्या सोचते हैं अर्जुन रामपाल? खुद किया बड़ा खुलासा

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो चुकी है। रणवीर सिंह की अदाकारी वाली इस फिल्म में अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन जैसे दमदार कलाकार नजर आ रहे हैं। अपनी मजबूत कहानी, जबरदस्त अभिनय और बेहतरीन म्यूजिक की वजह से इसे पूरे देश में दर्शकों का प्यार मिल रहा है।'धुरंधर' में अर्जुन रामपाल की भूमिका फिल्म में अर्जुन रामपाल ने मेजर इकबाल का किरदार निभाया है, जो एक निर्दयी आईएसआई मास्टरमाइंड है। उनके इस रोल को लेकर काफी तारीफ हो रही है। ग्रेजिया इंडिया से बातचीत में अर्जुन रामपाल ने बताया कि इस तरह का किरदार निभाना उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी मुश्किल था। वह शूटिंग खत्म होते ही इस रोल से बाहर आना चाहते थे। किरदार से बाहर आना चाहते थे अर्जुन रामपाल अर्जुन रामपाल ने कहा 'मैं इस किरदार से जितनी जल्दी हो सके बाहर निकलना चाहता था। यह फिल्म करना इसलिए भी जरूरी था क्योंकि यह एक अहम कहानी पर बनी है। किसी घटना को बाहर से देखना अलग बात है, लेकिन पर्दे के पीछे क्या हुआ, उसे दिखाना ज्यादा रोमांचक होता है। शूटिंग के दौरान मुझे बहुत बुरा लगता था क्योंकि मैं अपने देश से बहुत प्यार करता हूं, लेकिन यही एक अभिनेता का काम होता है और उसे उस किरदार में पूरी तरह उतरना पड़ता है।' अगले साल रिलीज होगा सीक्वल 'धुरंधर' में भारत के स्पेशल एजेंट्स की बहादुरी दिखाई गई है। रणवीर सिंह इसमें एक निडर अंडरकवर जासूस की भूमिका में नजर आ रहे हैं। 5 दिसंबर 2025 को रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक 589 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। इस फिल्म का सीक्वल मार्च 2026 में रिलीज होगा।

छह साल बाद टीवी पर लौटीं निया शर्मा

निया शर्मा, पूरे 6 साल बाद जी टीवी पर वापसी कर रही हैं। और यह वापसी निया शर्मा जी टीवी साल 2026 का स्वागत 'जी रिश्तों का मेला' न्यू ईयर स्पेशल के साथ कर रही हैं । अपने अनुभव को साझा करते हुए निया ने कहा, 'जी टीवी पर वापस आना मेरे लिए बहुत खास है। जब मैंने 'जमाई राजा' के साथ जी जॉइन किया था, तब मैं सिर्फ 23 साल की थी। आज 13 14 साल बाद ऐसा लग रहा है जैसे ज़िंदगी एक पूरा चक्कर लगाकर वापस उसी जगह आ गई हो। लोग आज भी मुझे रोशनी के नाम से जानते हैं और यही बताता है कि इस शो और इस चैनल ने मुझे कितना कुछ दिया है।'निया ने यह भी बताया कि जिस तरह से उनका स्वागत किया गया, उसने उन्हें हैरान कर दिया। जी परिवार के एक अपने सदस्य की तरह उन्हें अपनाया गया और पूरे कलाकारों के साथ करीब सात मिनट की लंबी परफॉर्मेंस करना, यह सब उनके लिए बेहद खास रहा। निया ने आगे कहा,'किसी भी इंसान के लिए सम्मान सबसे जरूरी होता है और जी ने मुझे वही एहसास दिया। बिल्कुल परिवार जैसा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतने सालों बाद भी मुझे इतना प्यार मिलेगा। इन शोज ने हमें हमारी पहचान दी है और इतनी कम उम्र में मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं हमेशा जी की आभारी रहूंगी। 'जी रिश्तों का मेला' न्यू ईयर स्पेशल में निया सिर्फ एक परफॉर्मेंस तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि वो जी परिवार के साथ मिलकर एक बड़े म्यूज़िकल सेलिब्रेशन का हिस्सा बनेंगी। यह शाम जी टीवी के पुराने फेस्टिव जश्नों की याद दिलाएगी। निया ने बताया कि इस खास शाम में मस्ती भरी परफॉर्मेंस, पुराने चेहरों की मुलाकात, हंसी मजाक और कई ऐसे पल होंगे, जो दर्शकों को लंबे समय तक याद रहेंगे।

नया साल-नई शुरुआत, एक्टर्स ने अपने 2026 के संकल्प बताए

कलर्स के 'मन्नत हर खुशी पाने की' की आयशा सिंह ने बताया, 'जैसे कि हम 2025 को अलविदा कह रहे हैं, शुक्रगुजार होने के लिए बहुत कुछ है। मुझे लगता है कि हम सभी को अपने लिए समय देना चाहिए और अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर ध्यान देना चाहिए। उम्मीद है कि 2026 में हम जिंदगी की छोटी-छोटी खुशियों को अपनाएँगे और बड़ी पिक्चर पर भी फोकस रखेंगे। मैं सभी को नए साल की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देती हूँ।कलर्स के 'मंगल लक्ष्मी' में मंगल का किरदार निभाने वाली दीपिका सिंह ने बताया, 'यह साल मेरी जिंदगी का एक असली टर्निंग पॉइंट जैसा लगता है, जिसमें ऐसे पल आए जिन्हें मैं हमेशा याद रखूँगी। जॉर्जिया में शूटिंग ने दर्शकों के लिए मंगल के किरदार को निभाने में एक नया आयाम जोड़ा। फराह खान मैम के साथ स्क्रीन शेयर करना एक और यादगार पल था; उनके साथ काम करने से मुझे अपने काम में नई सोच और प्रेरणा मिली। जैसे ही मैं नए साल में कदम रख रही हूँ, मैं संतुष्टि और आत्मविश्वास के साथ ऐसा कर रही हूँ, यह जानते हुए कि दर्शक और फैंस मेरे साथ हैं। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि 'मंगल लक्ष्मी' आगे कहाँ जाती है और दर्शक उसकी यात्रा को कैसे देखते रहते हैं। वर्तमान पल का आनंद लें, एक-दूसरे का ख्याल रखें, और परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएँ। माफ करें, भूल जाएँ, और आगे बढ़ें - यही मेरा मंत्र है। सभी को खुशी, तरक्की और यादगार पलों से भरे साल की शुभकामनाएँ।ह्व कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' की ईशा सिंह कहती हैं, 'साल का अंत मेरे लिए हर मायने में कलरफुल रहा है। 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' और 'नागिन 7' का हिस्सा होने से यह पक्का हो गया है कि मैं साल का अंत शानदार तरीके से कर रही हूं। 'लाफ्टर शेफ्स' की शूटिंग मेरे हफ्ते का सबसे खास हिस्सा है। सेट पर एनर्जी बहुत जबरदस्त होती है - पूरी टीम इतना जोश लाती है कि हर शूट पर हंसी की थेरेपी जैसा लगता है। जो बात मुझे सबसे ज्यादा हैरान करती है, वह यह है कि मैं खुद कुकिंग को कितना एन्जॉय कर रही हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं नए साल में डिशेज बनाते हुए, कुक-ऑफ का सामना करते हुए और इतने जोश के साथ चुनौती को अपनाते हुए आगे बढ़ूंगी। दर्शकों का प्यार बहुत ज्यादा और मोटिवेट करने वाला रहा है, और यह मुझे अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करता है। मैं 2026 के कुक-ऑफ में हिस्सा लेने और 'डिनर-टेनमेंट' का अपना वर्जन पेश करने के लिए उत्साहित हूं। जैसे ही साल बदलेगा, मेरी उम्मीद है कि जिन लोगों का समय मुश्किल रहा है, उन्हें आने वाले दिनों में शांति, खुशी और एक नई शुरूआत मिले।'

'रिश्तों का मेला' को होस्ट करना मेरे लिए सच में बहुत खास था

जी रिश्तों का मेला एक बार फिर लौट आया है और इस बार जी कुटुंब 2026 का स्वागत बेहद भव्य और खास अंदाज में करने के लिए पूरी तरह तैयार है। न्यू ईयर स्पेशल में जी टीवी के वो किरदार एक साथ नजर आएंगे, जिन्हें दर्शक सालों से पसंद करते आए हैं। ये शाम मनोरंजन, अपनापन और ढेर सारी खुशियां लेकर आएगी। 31 दिसंबर को ऑन एयर होने वाला 'जी रिश्तों का मेला : न्यू ईयर स्पेशल' मस्ती, म्यूज़िक और यादगार पलों से सजा एक शानदार सेलिब्रेशन साबित होगाइस पूरे सेलिब्रेशन को और खास बनाती हैं श्रद्धा आर्य, जो इस न्यू ईयर स्पेशल को जय भानुशाली के साथ होस्ट करती नजर आएंगी। कुंडली भाग्य में प्रीता के अपने यादगार किरदार के लिए घर-घर में पहचानी जाने वाली श्रद्धा आज भी दर्शकों के दिलों में एक खास जगह रखती हैं।अपने अनुभव साझा करते हुए श्रद्धा आर्य कहती हैं, 'एक मां होने की जिम्मेदारी निभाने और शूटिंग के बीच बैलेंस बनाना मेरे लिए एक खूबसूरत सीख रहा है। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब सब थोड़ा भारी लगने लगता है और सेट पर रहते हुए बच्चों की बहुत याद आती है। शूटिंग करते वक्त भी दिल का एक हिस्सा हमेशा उनके साथ रहता है। लेकिन जब लंबे दिन के बाद घर लौटती हूं और बच्चे मुझे कसकर गले लगाते हैं, तो सारी थकान पल भर में गायब हो जाती है। वही पल मुझे याद दिलाता है कि मैं दोनों दुनियाओं को साथ संभालने की कोशिश क्यों करती हूं। घर और सेट, दोनों जगह से मिलने वाला प्यार और सपोर्ट मेरे सफर को आसान बना देता है। जी टीवी की टीम के साथ शूट करना सच में काम को आसान बना देता है। वे मेरी जर्नी समझते हैं, मेरे वक्त की कद्र करते हैं और वही सुकून मेरी परफॉर्मेंस में भी झलकता है। जी रिश्तों का मेला 2025 को होस्ट करना और जी टीवी फैमिली के साथ न्यू ईयर का स्वागत करना मेरे लिए सच में बहुत खास था। ये बिल्कुल एक बड़े जश्न जैसा लगा, जहां यादें थीं, जोश था और ढेर सारा प्यार था। सबसे प्यारी बात ये है कि आज भी सेट पर लोग मुझे प्रीता ही बुलाते हैं। कई बार तो लगता है जैसे 'कुंडली भाग्य' अभी भी चल रहा है और मैं उसी की शूटिंग कर रही हूं। मुझे प्रीता होना बहुत पसंद है। इस किरदार ने मुझे जो प्यार, पहचान और अपनापन दिया है, वो मेरे लिए हमेशा अनमोल रहेगा।

यामी गौतम ने किए खुलासे, कहा- शादी का कोई फिल्मी प्रपोजल नहीं था

फिल्ममेकर आदित्य धर 'धुरंधर' की कामयाबी से खुश हैं। इसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त और आर माधवन ने अहम किरदार निभाया है। हाल ही में आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने अपनी शादी के बारे में कई खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उनका रिश्ता बिना किसी फिल्मी ड्रामे के बेहतर बना।'उरी' के सेट पर परवान चढ़ा रिश्ता ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे से बातचीत में यामी गौतम ने बताया कि उनका रिश्ता फिल्म 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के वक्त बेहतर हुआ। उन्होंने कहा 'ऐसा कोई फिल्मी प्रपोजल नहीं था कि वह कहें कि हम आपको प्रपोज करने जा रहे हैं। मुझे आदित्य धर की सादगी पसंद आई। मुझे बस ये पता था कि हम शादी करने जा रहे हैं। दोनों के परिवार हमें मिलाना चाहते थे और काफी खुश थे।' किस तरह की शादी चाहती थीं यामी? अभिनेत्री ने बताया 'मैं चाहती थी कि मेरी शादी इस तरह से हो कि कुछ परिवार के लोग हों। हर किसी का आशीर्वाद हो और हमारे आस-पास प्राकृतिक वातावरण हो। मैं चाहती थी कि जहां शादी हो वहां बैकग्राउंड में ऊंचे-ऊंचे देवदार के पेड़ हों, पहाड़ियां हों।' यामी ने किया खुद का मेकअप यामी गौतम ने बताया कि उन्होंने अपनी शादी को इतना आसान बनाया कि उन्होंने खुद का मेकअप किया। उन्होंने कहा 'मैंने अपना मेकअप खुद किया। मुझे लगा कि यह बहुत मुश्किल है, लेकिन यह काम आसान था। सुरीली ने मेरे बाल बनाए।' यामी ने की आदित्य धर की तारीफ आदित्य धर की तारीफ करते हुए यामी गौतम ने कहा 'वह ऐसे आदमी हैं जो आज के दौर में मिलना मुश्किल है। मैं जब 'आर्टिकल 370' का प्रमोशन कर रही थी, तब प्रेग्नेंट थी। उस वक्त आदित्य धर यह पक्का करना चाहते थे कि मैं कम्फर्टेबल रहूं। इसलिए उन्होंने मुझे एक तकिया दिया।' यामी गौतम ने आगे बताया कि जब वह 'उरी' के सेट पर जमीन पर बैठकर खाना खा रही थीं, तब उन्होंने अपनी डायरेक्टर की कुर्सी ऑफर की।

आजतक ऐसे अवतार में नजर नहीं आईं रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना ने अब तक अपनी मासूम मुस्कान, चुलबुले किरदारों और रोमांटिक भूमिकाओं से दर्शकों के दिल जीते हैं, लेकिन उनकी आने वाली पैन-इंडिया फिल्म 'मैसा' का टीजर यह साफ कर देता है कि अभिनेत्री अब अपने करियर के एक बिल्कुल नए और साहसी मोड़ पर कदम रख चुकी हैं। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में रश्मिका का ऐसा रूप देखने को मिला है, जिसने फैंस और इंडस्ट्री दोनों को चौंका दिया है।टीजर में क्या कुछ आया नजर? टीजर की शुरूआत में ही आवाज सुनाई देती है जो बताती है कि ये कहानी एक ऐसी बेटी की है जो मौत के सामने झुकने से इनकार कर देती है। इसी भावनात्मक पृष्ठभूमि में रश्मिका का किरदार सामने आता है, जिसकी आंखों में गुस्सा, शरीर की भाषा में विद्रोह और चीख में वर्षों का दबा हुआ दर्द झलकता है। टीजर में रश्मिका मंदाना का यह रूप एक ऐसी महिला का है, जिसे हालात ने लड़ना सिखा दिया है। उनका उग्र लुक, मिट्टी से सना चेहरा और आक्रामक अंदाज इस ओर इशारा करता है कि 'मैसा' सिर्फ एक एक्शन फिल्म नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, प्रतिरोध और अस्तित्व की लड़ाई की कहानी है। रश्मिका मंदाना ने साझा किया टीजर सोशल मीडिया पर टीजर शेयर करते हुए रश्मिका ने खुद भी संकेत दिए कि दर्शकों ने अभी इस कहानी की सिर्फ झलक देखी है। उनका कहना था कि यह तो बस शुरूआत है और आने वाले महीनों में फिल्म की असली गहराई सामने आएगी। इससे साफ है कि मेकर्स इस प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे परतें खोलते हुए दर्शकों तक ले जाना चाहते हैं। फिल्म मैसा का निर्देशन 'मैसा' का निर्देशन नवोदित निर्देशक रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं, जबकि इसे अनफॉर्मूर्ला फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।